सी.एस.एन. पी.जी. कॉलेज़, हरदोई

प्रवेश विवरणिका

सत्र 2025–26

website- www.csnhardoi.in

Email- csnpgcollegehardoi@gmail.com

सम्पर्क–सूत्र 05852-220042

प्राचार्य महोदय–मो0 नं0 8546049494 प्रवेश संयोजक मो0 नं0 8318152945, 7081159132

(फोन करने का समय प्रातः 09:00 से सायं 06:00 बजे तक)

अभ्यर्थी को आवेदन करने से पूर्व लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ की वेबसाइट पर जाकर LURN प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

महाविद्यालय परिसर

अभ्यर्थी को आवेदन करने से पूर्व लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ की वेबसाइट पर जाकर LURN प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

स्नातक एवं परास्नातक का प्रवेश कार्यक्रम

Starting of Application form (UG & PG)	12-04-2025
Closing Date of Application form	15-05-2025
B.A./B.B.A./B.Com Admission on the Basis of	FIRST COME FIRST SERVE
Entrance Test Date For P.G.	Last Week of June 2025
Declaration of Result	First Week of July 2025
Counselling Phase I	02-07-2025
Counselling Phase II	09-07-2025

Registration Fee — Rs. 100

Entrance Test/ Subject Allotment/ Counselling / Orientation Fee — Rs. 300

अभ्यर्थी को आवेदन करने से पूर्व लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ की वेबसाइट पर जाकर LURN प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

महाविद्यालय के संस्थापक स्व0 बाबू मोहन लाल वर्मा
जन्म 12 अक्टूबर 1912, परिनिर्वाण 09 जनवरी 1979

प्राधिकृत नियंत्रक महोदय

मंगला प्रसाद सिंह आई.ए.एस.
जिलाधिकारी

अ.शा.प.सं. :
जिलाधिकारी
हरदोई (उ०प्र०)
☎ : 05852-234537 (O)
: 05852-234680 (R)
फैक्स : 05852-234868
ई-मेल : dmhar@nic.in

सन्देश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि सी.एस.एन. पी.जी. कालेज, हरदोई सत्र 2025 - 26 हेतु प्रवेश विवरणिका को ऑन-लाइन प्रकाशित कर रहा है।

प्रवेश विवरणिका राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुपालन तथा महाविद्यालय की सफल उपलब्धियों विद्यार्थियों के लिये प्रेरक होगी। प्रवेश विवरणिका विद्यार्थियों को अपनी रूचि, योग्यता के अनुसार पाठ्यक्रम चुनने में मदद करेगी साथ ही उनकी प्रवेश सम्बन्धी कठिनाईयों का निवारण करेगी।

मैं प्रवेश विवरणिका के सफल प्रकाशन एवं प्रवेश प्रक्रिया में लगे समस्त शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों तथा महाविद्यालय के प्राचार्य को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कर रहा हूँ।

जिलाधिकारी, हरदोई।

प्रभारी अधिकारी महोदय

सुनील कुमार त्रिवेदी
(पी.सी.एस.)
नगर मजिस्ट्रेट, हरदोई।

(कार्यालय) 05852–233704
(मोबाइल) 9454416598
ई–मेल citymagistratehardoi@gmail.com

दिनांक : ....

शुभकामना सन्देश

बड़े हर्ष का विषय है कि केन सोसायटीज़ नेहरू महाविद्यालय, हरदोई नवीन सत्र 2025-26 के लिये अपनी ऑन–लाइन प्रवेश विवरणिका प्रकाशित करने जा रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि महाविद्यालय की विवरणिका राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप छात्र/छात्राओं का मार्गदर्शन करने एवं उन्हें उनके जीवन में आने वाली समस्याओं से परिचित कराकर, भविष्य निर्माण हेतु उचित पाठ्यक्रम चयन में मदद करेगी।

मैं महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र/छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य हेतु अपनी शुभकामना प्रेषित करता हूँ

नगर मजिस्ट्रेट हरदोई

प्राचार्य की कलम से ....

आदिमानव संस्कृति से मानव संस्कृति के निर्माण, परिवर्तन, विकास में शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण योगदान है। उच्च शिक्षा के माध्यम से मानव साहित्यिक, तकनीकी, वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपना कर जैव–जगत की सेवा के साथ विकास पथ पर अग्रसर है। किसी भी देश के सर्वांगीण विकास में उच्च शिक्षा की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। मनुष्य का ज्ञान सबसे बड़ा संसाधन है। ज्ञानरूपी संसाधन के माध्यम से प्रकृति प्रदत्त संसाधनों का समुचित उपयोग कर राष्ट्र के सशक्त निर्माण में योगदान देना विद्यार्थियों का परम कर्तव्य है । प्राचीन काल में भारत में त क्षशिला, नालन्दा, विक्रमशिला उच्च शिक्षा के प्रमख केन्द्र थे। आजादी के बाद भारत ने उच्च शि क्षा को बढ़ावा देने के लिये केन्द्रीय विश्वविद्यालयों, राज्य विश्वविद्यालयों, डीम्ड विश्वविद्यालयों, महा. विद्यालयों की स्थापना को प्रमुखता दी है। इसी क्रम में 10 अक्टूबर, 1965 को केन सोसायटीज़ नेहरू महाविद्यालय, हरदोई की स्थापना होती है।

विगत 60 वर्षो से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफल गाथा लिखते हुये महाविद्यालय धर्म, जाति, भाषा, वर्ग, लिंग से परे जनपद के सभी अंचलों से आने वाले छात्र/छात्राओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने के साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिये शिक्षणेतर कार्यकलापों, एन.सी.सी., एन.एस. एस, रोवर्स/रेन्जर्स, खेल प्रतियोगिता, वैचारिक संगोष्ठी के माध्यम से सामाजिक उत्तरदायित्व, प्रेम बन्धुता, राष्ट्रप्रेम की भावना को अनवरत बढ़ा रहा है। महाविद्यालय ने लखनऊ विश्वविद्यालय, ल खनऊ के निर्देशानुसार शिक्षा को अधिक व्यवहारिक, सम्पूर्णता, एकीकरण, खोजपरक, अधि गम–अभिकेन्द्रित, परिचर्चा आधारित एवं आनन्दमय बनाने के लिये राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) को पूर्णता लागू किया है। नई शिक्षा नीति संकाय/विभाग के जटिल बन्धनों को तोड़कर विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों की शिक्षा एक साथ लेने के लिये मुक्त वातावरण प्रदान करती है। साथ ही लोगों को शिक्षा पूर्ण करने के लिये अवसर प्रदान करती है।

अपने स्थापना काल से लेकर आज तक उच्च शिक्षा के क्षेत्र में स्वर्णिम गाथा लिखते हुये महाविद्यालय एक बार फिर नये सत्र में विद्यार्थियों का स्वागत करने के लिये तैयार है। प्रवेश प्रक्रिया, विषय आवंटन की शुचिता एवं पारदर्शिता के साथ योग्य उम्मीदवारों के चयन के लिये महा. विद्यालय चौथी बार प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश लेगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि सभी लोग सहयोग करेंगे।

मैं सभी भावी विद्यार्थियों को विश्वास दिलाता हूँ कि विगत् वर्षो की भॉति हम सर्वोत्तम शिक्षण के लिये प्रतिबद्ध हैं। यह सब आप लोगों के सहयोग के बिना सम्भव नहीं है। 60 वर्ष पुराने इस प्रतिष्ठित महा. विद्यालय के प्राचार्य के तौर पर महाविद्यालय में आपके प्रवेश लेने के निर्णय का मैं हृदय से स्वागत करता हूँ और मैं आपके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

प्रोफेसर कौशलेन्द्र कुमार सिंह

महाविद्यालय का परिचय

केन सोसायटीज़ नेहरू महाविद्यालय, हरदोई जनपद में कला संकाय का प्रतिष्ठित परास्नातक महाविद्यालय है। इसकी स्थापना स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी **स्व0 मोहन लाल वर्मा जी** के सतत् प्रयासों से **10 अक्टूबर 1965** में की गई थी। महाविद्यालय की स्थापना में जिले की दो गन्ना समितियों **केन ग्रोवर्स को–ऑपरेटिव सोसाइटी लि0 एवं को–ऑपरेटिव केन डेवल. पमेण्ट यूनियन लिमिटेड** का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। स्थापना के प्रारम्भिक वर्षों, में महा. विद्यालय जिला चिकित्सालय के सम्मुख दो मंजिला भवन में शिक्षण कार्य करते हुए, तत्कालीन प्रबन्ध कार्यकारिणी एवं प्राचार्य के भगीरथ प्रयास से 1972 में महाविद्यालय लखनऊ चुंगी के निकट 11.778 एकड़ के दीर्घ परिसर में नव निर्मित भवन में स्थानान्तरित हुआ। 14 फरवरी 1978 से यह संस्था प्राधिकृत नियंत्रक के रूप में जिलाधिकारी हरदोई के संरक्षण में क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्रदान करने में अनवरत् प्रयासरत् है।

महाविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य धर्म, जाति, वर्ग, भाषा एवं लिंग से परे जनपद के सभी अंचलो से आने वाले छात्र/छात्राओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने के साथ उनके सर्वांगीण विकास हेतु अनुकूल वातावरण के सृजन के लिए शिक्षणेत्र कार्यकलापों, एन.सी.सी., एन.एस.एस., रोवर्स/रेंजर्स, खेल प्रतियोगिता वैचारिक संगोष्ठी के माध्यम से सामाजिक उत्तरदायित्व, प्रेम, बंधुता, राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत करना है।

वर्तमान समय में महाविद्यालय में नई शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 को लागू करते हुए स्नातक के विषयों (हिन्दी साहित्य, हिन्दी भाषा, अंग्रेजी साहित्य, अंग्रेजी भाषा, संस्कृत, समाजशास्त्र, भूगोल, अर्थशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान) तथा बी0कॉम0, बी0बी0ए0 एवं परास्नातक के 6 विषयों (हिन्दी, संस्कृत, भूगोल, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र) में शिक्षण कार्य, नियमित रूप से संचालित हो रहा है। हरदोई जनपद में शोध कार्य के लिए केन सोसायटीज़ नेहरू महाविद्यालय, एक मात्र संस्था है जो 6 विषयों (हिन्दी, संस्कृत, भूगोल, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र) में शोध कार्य करने का निरन्तर अवसर प्रदान कर रहा है।

वर्तमान सत्र 2025–26 में महाविद्यालय में स्ववित्तपोषित योजना के अन्तर्गत स्नातक स्तर पर शारीरिक शिक्षा, गृह विज्ञान; परास्नातक स्तर पर इतिहास पाठ्यक्रम एवं डिप्लोमा कोर्स– पत्रकारिता एवं जनसंचार, मानवाधिकार, खाद्य सुरक्षा व पोषण, वित्तीय प्रबन्धन, बाल्य पोषण व शिक्षण, रिमोट सेंसिंग एण्ड जी0आई0एस0, करियर काउंसलिंग, ज्योतिष व कर्मकाण्ड व इंग्लिश स्पीकिंग पाठ्यक्रम की कक्षाएँ संचालित हैं।

महाविद्यालय की उपलब्धियाँ

महाविद्यालय अपने स्थापना वर्ष से लेकर आज तक शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक क्षेत्र में नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है। महाविद्यालय के विद्यार्थी, सिविल सेवा, उच्च शिक्षा, माध्यमिक, प्राथमिक शिक्षा, सेवा, पुलिस सेवा, राजस्व सेवा, समाजसेवा व राजनीति आदि क्षेत्रों में अपना प्रमुख योगदान दे रहे हैं। अभी हाल के वर्षों में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा उत्तीर्ण कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। महाविद्यालय अपने गैर शैक्षणिक कार्यक्रम एन.सी.सी., एन.एस.एस., रोवर्स–रेंजर्स, खेल प्रतियोगिता के माध्यम से सामाजिक समरसता, प्रेम, बंधुत्व, पर्यावरण संरक्षण , साफ–सफाई, जनजागरूकता को बढ़ावा दे रहा है।

महाविद्यालय के जून एवं दिसम्बर, 2024 की नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा उत्तीर्ण छात्र/छात्रायें

S. No.	Name	Subject	Session	S. No.	Name	Subject	Session
1	Pallavi Shukla	JRF (Hindi)	June 2024	1	Manvi	JRF (Sanskrit)	Dec 2024
2	Hardeep	JRF (Pol. Sci.)	June 2024	2	Anuj Rathour	JRF (Geogra)	Dec 2024
3	Bhola Verma	JRF (Pol. Sci.)	June 2024	3	Gurmeet Singh	JRF (Econ.)	Dec 2024
4	Priya Gupta	NET (Hindi)	June 2024	4	Anshu Pal	NET (Socio)	Dec 2024
5	Neha Trivedi	NET (Hindi)	June 2024	5	Mohit Verma	NET (Socio)	Dec 2024
6	Anjali Singh	NET (Hindi)	June 2024	6	Shikha Devi	NET (Socio)	Dec 2024
7	Yamini Verma	NET (Pol. Sci.)	June 2024	7	Poonam Devi	NET (Geogr.)	Dec 2024
8	Saumya Sharma	NET (Pol. Sci.)	June 2024	8	Sachin Verma	NET (Geogr.)	Dec 2024
9	Kuldeep Singh	NET (Pol. Sci.)	June 2024	9	Sheetal Rastogi	NET (Geogr.)	Dec 2024
10	Abhay Pratap Singh	NET (Pol. Sci.)	June 2024	10	Vipin Rathour	NET (Geogr.)	Dec 2024
11	Poonam Devi	NET (Geogr.)	June 2024	11	Avinashi Lal	NET (Geogr.)	Dec 2024
12	Sheetal Rastogi	NET (Geogr.)	June 2024	12	Pradeep Sharma	NET (Geogr.)	Dec 2024
13	Harsh Gupta	NET (Geogr.)	June 2024	13	Hardeep Kumar	NET (Pub.Ad.)	Dec 2024
14	Ashish Kumar	NET (Geogr.)	June 2024	14	Rajni Devi	NET (Hindi)	Dec 2024
				15	Neha Trivedi	NET (Hindi)	Dec 2024
				16	Anjali Singh	NET (Hindi)	Dec 2024
				17	Arpit Dixit	NET (Hindi)	Dec 2024
				18	Shweta Verma	NET (Pol. Sci.)	Dec 2024
				19	Soumya Sharma	NET (Pol. Sci.)	Dec 2024
				20	Kuldeep Singh	NET (Pol. Sci.)	Dec 2024
				21	Abhay Pratap Singh	NET (Pol. Sci.)	Dec 2024
				22	Sourabh Yadav	NET (Pol. Sci.)	Dec 2024
				23	Manjul Mishra	NET (Pol. Sci.)	Dec 2024
				24	Sanjay Kumar	NET (Pol. Sci.)	Dec 2024

महाविद्यालय के छात्र/छात्रा प्रतिवर्ष शिक्षा पूर्ण कर बड़ी संख्या में विभिन्न सरकारी विभागों में चयनित होकर महाविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं।

अब तक महाविद्यालय से 2 लाख से अधिक छात्र/छात्राएं उच्चशिक्षा प्राप्त कर चुके हैं।

महाविद्यालय हरदोई जिले का एकमात्र *NAAC* मूल्यांकित कॉलेज है।

मुख्यमन्त्री/अभ्युदय कोचिंग योजना :–

सिविल सेवा, राज्य लोक सेवा आयोग, बैंकिंग/NDA/CDS, आदि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले, छात्र/छात्राओं को निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जा रही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020

शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, सम्पूर्णता, एकीकरण, खोज परक, अधिगम अभिकेन्द्रित विषय, परिचर्चा आधारित, लचीलापन, एवं आनन्दमय बनाने का प्रयास किया गया है। नई शिक्षा नीति (2020) ज्ञान के साथ–साथ, कौशल विकास, रोजगार परक एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए अधिक प्रयासरत् है। नई शिक्षा नीति संकाय/विभाग के जटिल बंधन रूपी दीवार में बंधने के बजाय विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों की शिक्षा एक साथ लेने के लिए आजाद माहौल प्रदान करती है। साथ ही लोगों को शिक्षा पूर्ण करने के लिए अवसर प्रदान करती है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार महाविद्यालय में नई शिक्षा नीति लागू है। स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर सेमेस्टर के साथ (CBCS) प्रणाली क्रियान्वित है। नई शिक्षा नीति (2020) में स्नातक कार्यक्रम को सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री, अनुसंधान स्नातक के चरण शामिल करते हुए 4 वर्षीय पाठ्यक्रम बनाया गया है। स्नातक कार्यक्रम को कुल 8 सेमेस्टर में संचालित किया जा रहा है।

स्नातक :–

प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी को दो विषय को **मेजर–1, मेजर–2** के रूप में चुनना होगा, एक विषय को **माइनर** के रूप में लेना होगा। **मेजर–1, एवं मेजर–2** में दो–दो प्रश्न पत्र होंगे एवं **माइनर** का एक प्रश्न पत्र होगा।

स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर संचालित पाठ्यक्रम

बी.ए.	बी.काम (स्ववित्तपोषित)	बी.बी.ए. (स्ववित्तपोषित)	एम.ए.
स्वीकृत सीट 660	स्वीकृत सीट 60	स्वीकृत सीट 60	स्वीकृत सीट 400
हिन्दी साहित्य	सभी विषय	सभी विषय	हिन्दी साहित्य–60
प्रयोजनमूलक हिन्दी			भूगोल–40
English Literature			राजनीति विज्ञान–120
Functional English			अर्थशास्त्र–60
भूगोल			समाजशास्त्र–60
राजनीति विज्ञान			संस्कृत–60
अर्थशास्त्र			इतिहास (स्ववित्तपोषित)
शिक्षाशास्त्र			
इतिहास			
समाजशास्त्र			
संस्कृत			
गृह विज्ञान (स्ववित्तपोषित)			
शारीरिक शिक्षा (स्ववित्तपोषित)			

प्रवेश हेतु पात्रता

बी.ए. में प्रवेश हेतु :– स्नातक/कला संकाय में प्रवेश लेने की न्यूनतम योग्यता इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा में सामान्य एवं ओ0बी0सी0 वर्ग के अभ्यर्थियों को कम से कम 40% अंक एवं अनुसूचित जाति/जनजाति श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम प्राप्तांक 33% अंक अनिवार्य हैं।

बी.काम में प्रवेश हेतु :– इण्टरमीडिएट कामर्स/अर्थशास्त्र/गणित/समकक्ष इण्टरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण सामान्य एवं अन्य पिछड़ावर्ग की श्रेणी के छात्र/छात्राओं हेतु 40% अंक तथा अनु. जाति/जनजाति के छात्र/छात्राओं हेतु 33% अंकों के साथ इण्टरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

बी.बी.ए. में प्रवेश हेतु :– इण्टरमीडिएट कला/विज्ञान/वाणिज्य/कृषि अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। सामान्य एवं अन्य पिछड़ावर्ग की श्रेणी के छात्र/छात्राओं हेतु 50% अंक तथा अनु.जाति/जनजाति के छात्र/छात्राओं हेतु 45% अंकों के साथ इण्टरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

एम.ए. में प्रवेश हेतु :– स्नातक स्तर पर सम्बन्धित विषय में परीक्षा उत्तीर्ण सामान्य एवं अन्य पिछड़ावर्ग श्रेणी के छात्र/छात्राओं हेतु 45% अंक तथा अनु.जाति/जनजाति के छात्र/छात्राओं हेतु 40% अंक तथा अन्य विषय या अन्य संकाय में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों हेतु स्नातक स्तर पर 50% अंक होना अनिवार्य है।

परास्नातक स्तर के सभी विषयों में शोध कार्य संचालित हैं।

अभ्यर्थी को आवेदन करने से पूर्व लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ की वेबसाइट पर जाकर LURN प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

Subject for B.A. (विषय संयोजन)

Group-A	हिन्दी साहित्य केवल एक विषय का चयन करें। हिन्दी (प्रयोजन मूलक हिन्दी)
Group-B	अंग्रेजी साहित्य केवल एक विषय का चयन करें। अंग्रेजी (Functional English)
Group-C	भूगोल शारीरिक शिक्षा केवल एक विषय का चयन करें। गृह विज्ञान
Group-D	इतिहास
Group-E	अर्थशास्त्र
Group-F	संस्कृत
Group-G	राजनीति विज्ञान
Group-H	समाजशास्त्र
Group-I	शिक्षाशास्त्र

नोट – अभ्यर्थी उपरोक्त समूहों में से एक समूह से केवल एक विषय का चयन करेगा, इस तरह अभ्यर्थी को तीन अलग–अलग समूहों में से तीन विषयों का चयन करना होगा। अभ्यर्थी दो से अधिक साहित्यिक या भाषा विषय का चयन नहीं कर सकता।

नोट – छात्र/छात्राओं के हित में सलाह दी जाती है कि वह समाजशास्त्र और शिक्षाशास्त्र विषय एक साथ चयन न करें, जिन छात्र/छात्राओं का इण्टर में अर्थशास्त्र एवं गणित विषय रहा है उन्हें अर्थशास्त्र विषय लेना हितकर होगा। जिन छात्र/छात्राओं का इण्टर में संस्कृत विषय रहा है उन्हें स्नातक में संस्कृत विषय लेना हितकर होगा।

यदि कोई प्रवेशार्थी प्रवेश हेतु काउंसिलिंग के दिन अनुपस्थित रहता है अथवा प्रवेश सम्बन्धी औपचारिकतायें निर्धारित तिथि तक पूर्ण नहीं कर पाता है तो उस दशा में उसका प्रवेश स्वतः निरस्त हो जायेगा तथा उसके स्थान पर योग्यताक्रम (Merit) में आने वाले अगले अभ्यर्थी के प्रवेश पर विचार कर लिया जायेगा।

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के प्रवेशार्थियों का प्रवेश संस्तुत हो जाने की दशा में तत्काल निर्धारित शुल्क जमा करना अनिवार्य है अन्यथा प्रवेशाधिकार निरस्त माना जायेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय का परीक्षा आवेदन–पत्र सामान्यतया विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित समय में भरे जाते हैं। परीक्षा फार्म का भरा जाना परीक्षार्थी का व्यक्तिगत दायित्व होगा। परीक्षा आवेदन–पत्र की निर्धारित तिथि समाप्त हो जाने के पश्चात् विश्वविद्यालय की सहमति प्राप्त होने के बाद ही परीक्षा आवेदन–पत्र अग्रसारित किये जा सकेंगे।

यदि कोई प्रवेशार्थी ऑन–लाइन आवेदन के समय किसी भी तरह की असत्य/गलत सूचना देता है तो प्रवेश समिति को यह पूर्णतया अधिकार होगा कि उसका प्रवेश निरस्त कर दें, तथा आवश्यक कार्यवाही करें।

1. वे अभ्यर्थी जो अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन–क्रीमीलेयर) एवं EWS के हैं तथा उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हैं, उन्हें ही आरक्षण का लाभ देय होगा तथा अन्य प्रदेशों के अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग एवं EWS के अभ्यर्थी सामान्य श्रेणी के माने जायेंगे।
2. आरक्षण का लाभ उत्तर प्रदेश सरकार/लखनऊ विश्वविद्यालय के नियमों के अन्तर्गत दिया जायेगा।
3. जाति तथा आय प्रमाण पत्र सरकारी वेबसाइट से प्रमाणित किया जायेगा।
4. ऑनलाइन प्रवेश पंजीकरण के समय जमा किया गया समस्त शुल्क किसी भी स्थिति में वापस नहीं किया जायेगा।
5. छात्रत्व के दौरान रैगिंग जैसी कुत्सित घटना में सम्मिलित होने पर छात्र के विरूद्ध माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार कार्यवाही की जायेगी।
6. ऐसे अभ्यर्थी जो वर्तमान वर्ष में अर्हता परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं, वे भी इस प्रवेश परीक्षा में आवेदन करने हेतु अर्ह होंगे। ऐसे अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग प्रक्रिया के पूर्व न्यूनतम अर्हता धारित करना अनिवार्य होगा।
7. महाविद्यालय को किसी भी समय प्रवेश नियमों में परिवर्तन एवं संशोधन करने का अधिकार होगा।

सामान्य सूचना

1. यदि कोई अभ्यर्थी असत्य सूचनाओं/अनुसूचित साधनों के आधार पर अथवा फर्जी अंक पत्रों के आधार पर प्रवेश पाता है तो जिस समय भी यह तथ्य उद्घाटित होगा, उसका प्रवेश प्रारम्भ से ही निरस्त कर दिया जायेगा तथा उसके विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता सम्बन्धित धाराओं के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी।
2. कला स्नातक अभ्यर्थियों का प्रवेश, पहले आओ पहले पाओ प्रक्रिया के माध्यम से लिया जायेगा।
3. योग्यता के क्रम को निम्नलिखित रूप में निर्धारित किया जायेगा।
4. यदि दो या दो से अधिक अभ्यर्थियों ने मेरिट सूची में बराबर अंक/श्रेणी प्राप्त किये है तो प्रवेश के लिए मेरिट का निर्धारण निम्मलिखित प्रकार से होगा।
5. जिस अभ्यर्थी के इण्टरमीडिएट (10+2) या समकक्ष परीक्षा या पॉलीटेक्निक डिप्लोमा में उच्च प्रतिशत प्राप्त होंगे, उस अभ्यर्थी को पहली वरीयता दी जाएगी।
6. यदि अभ्यर्थियों के इण्टरमीडिएट (10+2) या समकक्ष परीक्षा या पॉलीटेक्निक डिप्लोमा परीक्षा में प्राप्त अंक बराबर हैं तो ऐसी स्थिति में पहली वरीयता उस अभ्यर्थी को दी जायेगी जिसने हाई स्कूल या समकक्ष परीक्षा या पॉलीटेक्निक डिप्लोमा में उच्चतर प्रतिशत प्राप्त किया है।
7. यदि हाई स्कूल में प्राप्त अंक भी बराबर है तो ऐसी स्थिति में आयु में वरिष्ठ अभ्यर्थी को वरीयता दी जायेगी।
8. अभ्यर्थी योग्यता (मेरिट) के आधार पर भारण (यदि कोई है) के लिए हकदार होगा।
9. महाविद्यालय के पास किसी भी प्रवेश को किसी भी अवस्था में निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।
10. प्रवेश से सम्बन्धित अध्यादेश के प्रावधानों के प्रतिपादन के सम्बन्ध में सभी विवाद महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवेश समिति को सौंपे जायेंगे और उनका निर्णय अन्तिम होगा।

Post Graduate Admission Information Brochure
C.S.N. P.G. College, Hardoi

01– ऑनलाइन प्रवेश सम्बन्धी निर्देश विश्वविद्यालय अधिनियम, परिनियम, अध्यादेशों तथा नियमों के अधीन हैं।

02– गैप प्रमाण–पत्र : यदि स्नातक परीक्षा/अर्हता परीक्षा के बाद प्रवेश लेने में अन्तराल हो तो अन्तराल के कारण का स्वप्रमाणित शपथ–पत्र प्रवेश के समय जमा करें।

03– प्रवेश प्रक्रिया की विस्तृत सूचना महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे महाविद्यालय की वेबसाइट www.csnhardoi.in नियमितरूप से देखते रहें।

04– योग्यता सूची घोषित होने पर इसकी प्रति महाविद्यालय की वेबसाइट पर देखने के लिए उपलब्ध रहेगी। अभ्यर्थी को स्वयं अपना योग्यता–क्रमांक, योग्यता–सूची से ज्ञात करना होगा। योग्यता–सूची समाचार–पत्रों में प्रकाशित नहीं करायी जायेगी।

05– जो अभ्यर्थी अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग एवं EWS के हैं तथा उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हैं, उन्हें ही आरक्षण का लाभ अनुमन्य होगा तथा अन्य प्रदेशों के अनुसूचित जाति/जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी सामान्य श्रेणी के माने जायेंगें।

06– आरक्षण का लाभ उत्तर प्रदेश सरकार/लखनऊ विश्वविद्यालय के नियमों के अन्तर्गत प्रदान किया जायेगा।

07– जाति तथा आय प्रमाण पत्र सरकारी वेबसाइट से प्रमाणित किया जायेगा।

08– रजिस्ट्रेशन के समय जमा किया गया समस्त शुल्क किसी भी स्थिति में वापस नही किया जायेगा।

09– शिक्षण के दौरान रैगिंग जैसी कुत्सित घटना में संलिप्त होने पर छात्र/छात्राओं के विरूद्व माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार कठोर कार्यवाही की जायेगी।

10– जो अभ्यर्थी किसी भी विश्वविद्यालय/महाविद्यालय/संस्था से निष्कासित किये गये हैं अथवा भारतीय दण्ड संहिता के अन्तर्गत अपराधी सिद्ध किये गये है वह महाविद्यालय के किसी भी पाठ्यक्रम में आवेदन करने के लिये योग्य नहीं होंगे।

11– स्नातकोत्तर कक्षा में प्रवेश हेतु वही अभ्यर्थी अर्ह होंगे जिन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त किसी विश्वविद्यालय से 10+2+3 अथवा समकक्ष की शिक्षा पद्धति के अन्तर्गत त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

12– अभ्यर्थी को जिस विषय में प्रवेश लेना है उस विषय के स्नातक पाठ्यक्रम के किसी भी वर्ष में अध्ययन किये जाने की स्थिति में उसने स्नातक परीक्षा न्यूनतम 45 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो।

13– अभ्यर्थी द्वारा जिस विषय में प्रवेश लेना है उस विषय/संकाय के स्नातक पाठ्यक्रम में अध्ययन न किये जाने की दशा में स्नातक परीक्षा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण की हो।

14— परास्नातक में प्रवेश, प्रवेश—परीक्षा के आधार पर होगा।

15— एक से अधिक परास्नातक के विषयों में आवेदन के लिये अलग—अलग ऑन—लाइन फार्म भरना होगा।

16— एक विषय का फार्म दूसरे विषय में प्रवेश के लिये स्थानान्तरित नहीं किया जायेगा।

17— अभ्यर्थी एक सत्र में दो परास्नातक डिग्री पाठ्यक्रमों में अध्ययन नहीं कर सकता है।

18— यदि अभ्यर्थी ने पूर्व में किसी विषय में परास्नातक पाठ्यक्रम पूर्ण कर लिया है तो वह दूसरे विषय में परास्नातक पाठ्यक्रम में अध्ययन हेतु अर्ह नहीं होगा। यह नियम व्यावसायिक पाठ्क्रमों पर लागू नहीं होगा।

19— योग्यता सूची सम्बन्धित विभागों में उपलब्ध रहेगी तथा इसे महाविद्यालय की वेबसाइट पर भी देखा जा सकेगा।

20— महाविद्यालय किसी भी प्रवेश को किसी भी स्तर पर निरस्त करने का अधिकार रखता है।

21— परास्नातक प्रवेश से सम्बन्धित किसी भी मामले में महाविद्यालय के प्राचार्य/प्रवेश समिति का निर्णय अन्तिम व बाध्यकारी होगा।

22— परास्नातक प्रवेश से सम्बन्धित सभी विधिक मामलों का न्याय क्षेत्र हरदोई होगा।

23— ऐसे अभ्यर्थी जो प्रवेश वर्ष में स्नातक पाठ्यक्रम की अंतिम वर्ष की परीक्षा में सम्मिलित हो रहे है, वे भी इस प्रवेश परीक्षा में आवेदन करने हेतु अर्ह होंगे। ऐसे अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग प्रक्रिया के पूर्व न्यूनतम अर्हता धारित करना अनिवार्य होगा।

24— यदि दो या दो से अधिक अभ्यर्थियों ने प्रवेश परीक्षा की मेरिट सूची में समान अंक/श्रेणी प्राप्त किये है तो प्रवेश के लिए मेरिट का निर्धारण निम्नलिखित प्रकार से होगाः—

क— यदि अभ्यर्थियों के प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंक समान हैं तो ऐसी दशा में पहली वरीयता उस अभ्यर्थी को दी जायेगी जिसने स्नातक या समकक्ष परीक्षा में उच्चतर प्रतिशत प्राप्त किया हैं।

ख— यदि अभ्यर्थियों के प्रवेश परीक्षा एवं स्नातक में प्राप्त अंक समान हैं तो ऐसी दशा में पहली वरीयता उस अभ्यर्थी को दी जायेगी जिसने कक्षा 10+2 या समकक्ष परीक्षा में उच्चतर प्रतिशत प्राप्त किया है।

प्रवेश हेतु प्रक्रिया (Procedure for Admission)

01– लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के संयुक्त महाविद्याय में प्रवेश लेने के इच्छुक छात्र/छात्रा को सर्व प्रथम लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर Lucknow University Registration Number (LURN) प्राप्त करना अनिवार्य होगा बिना LURN) के आपका प्रवेश आवेदन पत्र मान्य नहीं होगा।

02– स्नातक/कला संकाय (NEP) चार वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने की न्यूनतम योग्यता इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा में सामान्य एवं ओ0बी0सी0 वर्ग के अभ्यर्थियों को कम से कम 40% अंक एवं अनुसूचित जाति/जनजाति श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम प्राप्तांक 33% अंक अनिवार्य हैं।

03– कला संकाय में स्नातक कक्षा में प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों को निर्धारित शुल्क के साथ आनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन केवल आनलाइन ही स्वीकार किये जायेंगे। अन्तिम तिथि के बाद किए गये आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

04– बी0ए0/बी0बी0ए0/बी0कॉम के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश प्रथम आवक प्रथम पावक (पहले आओ पहले पाओ) के आधार पर होगा।

05– कला संकाय में परास्नातक अभ्यर्थियों का प्रवेश महाविद्यालय में आयोजित प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंको के आधार पर तैयार मेरिट लिस्ट से किया जायेगा।

06– यदि प्रवेश परीक्षा का प्राप्तांक समान होगा तो (10+2+3) में उच्च प्रतिशत वाले अभ्यर्थियों को वरीयता दी जायेगी।

07– परीक्षा के लिए एक प्रश्न पत्र होगा जो कि बहुविकल्पीय प्रकृति का होगा।

08– प्रश्नपत्र में कुल 100 प्रश्न होंगे जिसका पूर्णांक 100 होगा।

09– प्रत्येक प्रश्न 01 अंक का होगा, गलत उत्तर के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं होगा।

10– प्रश्न पत्र को हल करने के लिए 02 घण्टे का समय निर्धारित होगा।

11– प्रश्न पत्र में (विषय आधारित, खेलकूद, समसामयिक घटनाक्रम एवं हिन्दी भाषा) से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जायेंगे।

अभ्यर्थियों के प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट लिस्ट तैयार की जायेगी एवं विषयों का आवंटन होगा।

1. अभ्यर्थियों के प्रवेश प्राप्तांक की मेरिट के अनुसार विषय सीटों के सापेक्ष आवंटित किये जायेंगे।

2. विषय आवंटन महाविद्यालय में काउंसिलिंग के आधार पर किया जायेगा।

3. यदि कोई अभ्यर्थी उच्च मेरिट रखते हुए निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं होता है तो उसके नीचे वाले अभ्यर्थी को विषय आवंटित होगा जिसका पूर्ण उत्तरदायित्व अभ्यर्थी का होगा।

4. यदि निर्धारित काउंसिलिंग के बाद कुछ सीटें रिक्त हो जाती हैं तो (पहले आओ पहले पाओ) के आधार पर प्रवेश एवं विषय आवंटित होगा।

काउंसिलिंग प्रक्रिया

1. अभ्यर्थी कॉलेज की वेबसाइट का निरन्तर अवलोकन करते रहें कॉलेज द्वारा कांउसिलिंग की तिथि घोषित की जायेगी।

2. सीटों का आवंटन निर्धारित आरक्षण व्यवस्था के अनुरूप होगा।

प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने के लिए काउन्सिलिंग के समय निम्नलिखित प्रमाण–पत्र संलग्न करने होंगे।

01– Lucknow University Registration Number (LURN) की छायाप्रपति

02– हाई स्कूल/समकक्ष परीक्षा की अंकतालिका एवं प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित छायाप्रति

03– 10+2/इण्टरमीडिएट परीक्षा की अंकतालिका एवं प्रमाण–पत्र की स्वप्रमाणित छायाप्रति

04– अंतिम शिक्षा संस्था के प्रधानाचार्य/प्राचार्य द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण–पत्र मूल रूप में एवं टी.सी./प्रवजन प्रमाण–पत्र की मूलप्रति।

05– पूर्व परीक्ष में व्यक्तिगत (प्राइवेट) रूप से उत्तीर्ण प्रवेशार्थी को केन्द्र प्रमाण–पत्र की मूलप्रति एवं किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा चरित्र प्रमाण–पत्र तथा संस्थागत छात्रा के रूप में जिस कक्षा तक अध्ययन किया गया हो, की टी.सी. एवं चरित्र प्रमाण–पत्र की मूल सत्यापित प्रति।

06– ऐसे अभ्यर्थी जिनका पूर्व वर्षों के अध्ययन में गैप रहा हो, 10 रूपये के नोटरी के माध्यम से इस आशय का शपथ–पत्र (प्रारूप 01 संलग्न) प्रस्तुत करें कि उसने विगत वर्षों में कहीं भी संस्थागत छात्र/छात्रा के रूप में अध्ययन नहीं किया है।

07– अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ी जाति/ई.डब्लू. एस./स्वतंत्रता संग्राम सेनानी/ दिब्यांग सुरक्षाकर्मी/विकलांग/एन.सी.सी. या राष्ट्रीय स्तर के खेलकूद में भाग लेने से सम्बन्धित प्रवेशार्थी को सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण–पत्र की सत्यापित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।

08– समस्त स्रोतों से अभिभावक की वार्षिक आय रू. 2.00 दो लाख तक होने की दशा में सक्षम अधिकारी (तहसीलदार) द्वारा आय प्रमाण–पत्र की छायाप्रति।

09– आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (E.W.S) के प्रवेशार्थी को सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण–पत्र की सत्यापित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा। (प्रमाण–पत्र प्रारूप I एवं II।सलंग्न है)

10– प्रवेशार्थी के लिए यह अनिवार्य है कि एन्टी रैगिंग शपथ–पत्र (प्रारूप–3) प्रवेश फार्म के साथ संलग्न करें।

महाविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क का विवरण

सत्र 2025–26 की शुल्क संरचना (बी0ए0)

क्रम सं0	मद का नाम	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	द्वितीय सेमेस्टर शुल्क
1	प्रवेश शुल्क	3.50	
2	शिक्षण शुल्क	144	
3	मंहगाई शुल्क	42	
4	विकास शुल्क	20	
5	इलेक्ट्रिक हॉट एण्ड कोल्ड शुल्क	200	
6	परिचय–पत्र शुल्क	50	50
7	वाचनालय शुल्क	100	
8	क्रीड़ा शुल्क	100	
9	पत्रिका शुल्क	50	
10	भूगोल प्रैक्टिकल प्रति विषय शुल्क	**240**	
11	भूगोल प्रयोगशाला काशनमनी शुल्क	**20**	
12	पुस्तकालय शुल्क	100	
13	पुस्तकालय काशनमनी शुल्क	30	
14	विश्वविद्यालय परीक्षा शुल्क	**1250**	**1250**
15	विश्वविद्यालय नामांकन शुल्क	**500**	
16	छात्र कल्याण कोष	**100**	
17	साईकिल स्टैण्ड शुल्क	300	
18	प्रोसेसिंग शुल्क	450	
19	छात्र संघ शुल्क	50	
20	कल्चरल एक्टीविटीज शुल्क	50	
21	वार्षिक समारोह शुल्क	**200**	
22	मिडटर्म परीक्षा शुल्क	50	50
23	पुरातन छात्र शुल्क	**50**	0
		4099.50	**1350**

स्ववित्त पोषित योजनान्तर्गत संचालित विषयों का शुल्क

क्रम सं0	मद का नाम	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	द्वितीय सेमेस्टर शुल्क
1	गृह विज्ञान विषय (स्ववित्तपोषित) फीस	1500	1500
2	शारीरिक शिक्षा विषय (स्ववित्तपोषित) फीस	1500	1500

शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क का विवरण

सत्र 2025–26 की शुल्क संरचना (बी0ए0 प्रैक्टिकल विषय)

क्रम सं0	मद का नाम	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	द्वितीय सेमेस्टर शुल्क
1	भूगोल विषय सहित	4106.50	1350
2	शारीरिक शिक्षा विषय सहित	5366.50	2850
3	गृह विज्ञान विषय सहित	5366.50	2850
4	भूगोल/शारीरिक शिक्षा/गृह विज्ञान विषय रहित	3866.50	1350

नोट – उक्त शुल्क विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार परिर्वतनीय होगा।

महाविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क का विवरण

सत्र 2025–26 की शुल्क संरचना (एम0ए0)

क्रम सं0	मद का नाम	एम.ए. प्रथम सेमेस्टर शुल्क	एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर
1	प्रवेश शुल्क	3.50	
2	शिक्षण शुल्क	144	
3	मंहगाई शुल्क	42	
4	विकास शुल्क	20	
5	इलेक्ट्रिक हॉट एण्ड कोल्ड शुल्क	200	
6	परिचय–पत्र शुल्क	50	50
7	वाचनालय शुल्क	100	
8	कीड़ा शुल्क	100	
9	पत्रिका शुल्क	50	
10	भूगोल प्रैक्टिकल प्रति विषय शुल्क	240	
11	भूगोल प्रयोगशाला काशनमनी शुल्क	20	
12	पुस्तकालय शुल्क	100	
13	पुस्तकालय काशनमनी शुल्क	30	
14	विश्वविद्यालय परीक्षा शुल्क	**2000**	**2000**
15	विश्वविद्यालय नामांकन शुल्क	**500**	
16	छात्र कल्याण कोष	100	
17	साईकिल स्टैण्ड शुल्क	300	
18	प्रोसेसिंग शुल्क	450	
19	छात्र संघ शुल्क	50	
20	कल्चरल एक्टीविटीज शुल्क	50	
21	वार्षिक समारोह शुल्क	200	
22	मिडटर्म परीक्षा शुल्क	50	50
23	पुरातन छात्र शुल्क	50	0
		4849.50	**2100**

एम.ए. इतिहास (स्ववित्त पोषित योजनान्तर्गत संचालित) सत्र 2025–26 का शुल्क

01	एम. ए. इतिहास (स्व वित्तपोषित)	शिक्षण शुल्क	6000	4000
		परीक्षा शुल्क	2000	2000
		नामांकन	500	0
			8500	**6000**

शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क का विवरण

सत्र 2025–26 फीस संरचना (बी.काम)

1	महाविद्यालय का शिक्षण शुल्क		10000 वार्षिक
2	विश्वविद्यालय परीक्षा शुल्क		3500 वार्षिक
3	विश्वविद्यालय पंजीकरण शुल्क		500 मात्र प्रथम सेमेस्टर
	योग रू0		**14000 (वार्षिक)**
कमांक	**मद का नाम**	**प्रथम सेमेस्टर शुल्क**	**द्वितीय सेमेस्टर शुल्क**
1	शिक्षण शुल्क	6000	4000
2	विश्वविद्यालय परीक्षा शुल्क	1750	1750
3	नामंकन शुल्क	500	
योग रू0		**8250**	**5750**
महायोग रू0		**14000**	

शासन/लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा परिवर्तन किये जाने पर उक्त दरें परिवर्तनीय होगीं।

सत्र 2025–26 फीस संरचना (बी.बी.ए.)

1	महाविद्यालय का शिक्षण शुल्क		25000 वार्षिक
2	विश्वविद्यालय परीक्षा शुल्क		8000 वार्षिक
3	विश्वविद्यालय पंजीकरण शुल्क		500 मात्र प्रथम सेमेस्टर
	योग रू0		**33500 (वार्षिक)**
कमांक	**मद का नाम**	**प्रथम सेमेस्टर शुल्क**	**द्वितीय सेमेस्टर शुल्क**
1	शिक्षण शुल्क	15000	10000
2	विश्वविद्यालय परीक्षा शुल्क	4000	4000
3	नामंकन शुल्क	500	
योग रू0		**19500**	**14000**
महायोग रू0		**33500**	

शासन/लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा परिवर्तन किये जाने पर उक्त दरें परिवर्तनीय होगीं।

नोट – उक्त शुल्क विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार परिर्वतनीय होगा।

(स्नातक एवं परास्नातक)
ऐसे प्रवेशार्थी को प्रवेश देना सम्भव नहीं होगा

01– जो गत वर्ष किसी विश्वविद्यालय की परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो चुका हो।

02– जो अनुचित साधन प्रयोग का दोषी पाया गया हो।

03– जो गत वर्ष की विश्वविद्यालय परीक्षा में सम्मिलित होने से रोक दिया गया हो।

04– जो किसी आपराधिक मामले में सजा पा चुका हो अथवा जिस पर कोई अभियोजन चल रहा या जिसका आचरण संदिग्ध हो।

05– किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश देने का अधिकार प्राचार्य के पास सुरक्षित होगा।

06– कक्षायें आरम्भ होने के एक सप्ताह के अन्दर छात्र एवं छात्रा को विषय की शुल्क रसीद/बैंक जमा पर्ची दिखाकर विभाग में पंजीकरण कराना अनिवार्य है। ऐसा न करने पर उसका प्रवेश निरस्त किया जा सकता है।

अनुशासन सम्बन्धी नियम

छात्र/छात्राओं में अनुशासन एवं संस्था के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने के उद्देश्य से महाविद्यालय में प्राक्टोरियल बोर्ड का गठन किया है। महाविद्यालय की अनुशासन व्यवस्था तोड़ने पर दोषी छात्र/छात्राओं को दण्डित करने का पूर्ण अधिकार अनुशासन समिति को प्राप्त है। महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक अनुशासन समिति के पदेन सदस्य हैं।

प्रत्येक छात्र/छात्रा को अनुशासन सम्बन्धी निम्नलिखित नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

महाविद्यालय में अध्ययनरत् प्रत्येक छात्र/छात्रा को एवं महाविद्यालय द्वारा निर्गत परिचय पत्र लाना तथा महाविद्यालय द्वारा निर्धारित यूनिफार्म में आना अनिवार्य होगा।

शिक्षण कक्ष में मोबाइल अथवा अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरणों का प्रयोग पूर्णतः निषिद्ध है।

किसी भी बाहरी व्यक्ति को महाविद्यालय परिसर में लाना अनुशासनहीनता मानी जाएगी।

छात्राओं के लिए कॉमनहाल की व्यवस्था है, जहां वे खाली वादनों में बैठ सकती हैं।

पान मसाला, तम्बाकू, गुटखा या अन्य नशीली वस्तुओं का प्रयोग करते पाये जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

रैगिंग संज्ञेय अपराध है। महाविद्यालय परिसर में यदि कोई छात्र/छात्रा रैगिंग करते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ इण्डियन पीनल कोर्ट (आई0पी0सी0) के अन्तर्गत Act against Ragging के तहत दण्ड निर्धारित होगा तथा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराकर उसे महा. विद्यालय से निष्कासित कर दिया जायेगा।

यदि कोई अभ्यर्थी अनुचित योग्यता एवं झूठे तथ्यों के आधार पर प्रवेश लेता है तो तथ्य उद्घाटित होने पर उसके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही कर उसके प्रवेश को निरस्त कर दिया जायेगा।

महाविद्यालय के अध्यापकों एवं कर्मचारियों के प्रति अशालीन व्यवहार करना, या किसी बात को मनवाने के लिए सहपाठियों एवं छात्र/छात्राओं को प्रशासन के विरूद्ध भड़काना, प्रदर्शन एवं आंदोलन करना अनुशासनहीनता है। ऐसे में नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

छात्र/छात्राएं अपने वाहन स्टैण्ड पर ही खड़ा करें। अन्य स्थान पर वाहन खड़ा करने पर उन्हें दण्डित किया जायेगा।

यदि कोई भी छात्र/छात्रा अनुशासन सम्बन्धी नियमों का उल्लंघन करता है तो उसके स्कालर रिकार्ड में तथा महाविद्यालय द्वारा दिये जाने वाले चरित्र प्रमाण पत्र में भी प्रविष्टि अंकित की जाएगी।

भारण एवं आरक्षण के लिए प्रमाण–पत्र निम्नलिखित सक्षम अधिकारियों द्वारा निर्गत ही मान्य होंगे

वर्ग	सक्षम अधिकारी	प्रतिशत / भारांक
उत्कृष्ट खिलाड़ी या गाइड / रेंजर (पिछले 03 वर्षों में)	शिक्षा अधिकारी, क्रीड़ा अधिकारी या आयोजक संस्था के अधिकारी या लखनऊ विश्वविद्यालय एथलेटिक एसोसिएशन के अध्यक्ष या प्रधानाचार्य प्रतिहस्ताक्षर।	3% भारांक
विकलांग	जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी	3% क्षैतिज
स्वतंत्रता सेनानी के वास्तविक आश्रित पुत्र / पुत्री / पौत्री	जिलाधिकारी	2% भारांक
सांस्कृतिक / पाठ्य सहगामी कार्यक्रमों में पिछले 03 वर्षों में विशेष उपलब्धि।	शिक्षा अधिकारी, आयोजक संस्था के अधिकारी	3% भारांक
एन.सी.सी.–बी. / सी. प्रमाण पत्र	सम्बन्धित यूनिट / बटालियन के समादेश अधिकारी।	3% भारांक
अनु. जाति / जनजाति तथा	जिलाधिकारी / अपर जिलाधिकारी / सिटी मजिस्ट्रेट	15% तथा 7.50%
अन्य पिछड़ी जाति / वर्ग /	परगना मजिस्ट्रेट अथवा तहसीलदार।	27%
ई0डब्लू0एस0		10%
क्षेत्रीय युवा समारोह में विगत 3 वर्षों में विशेष उपलब्धि	जिला अथवा क्षेत्रीय अधिकारी / आयोजक या संचालक	3%
विधवा या परित्यक्ता	कानूनी / अधिकृत अधिकारी / अभिलेख	1%, क्षैतिज
शहीद या प्रतिरक्षा कार्य में अपंग हुए सेवामुक्त कर्मी की पुत्र / पुत्री / पत्नी / बहन	सोल्जर्स बोर्ड / सक्षम सैन्य अधिकारी या अभिलेख	2% क्षैतिज

निम्नलिखित श्रेणी के खिलाड़ियों को विश्वविद्यालय के नियमानुसार भारण (Weightage) देय होगा:

– ऐसे खिलाड़ी जिन्होने जनपद में चयन के पश्चात टीम की ओर से अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पिछले दो वर्षों में भाग लिया हो। डी.आई.ओ.एस. / आर.आई.जी.एस. / डी.डी.ओ. द्वारा दिये गये मूल प्रमाण–पत्र ही केवल मान्य होंगे।

अथवा

ऐसे खिलाड़ी जिन्होंने उत्तर प्रदेश का पिछले दो वर्षों में राष्ट्रीय अथवा प्रदेशीय प्रतियोगिताओं में प्रति. निधित्व किया हो तथा प्रतियोगिताएं आधिकारिक मान्यता प्राप्त प्रदेशीय खेलकूद संस्थाओं द्वारा आयोजित की गई हों। इन प्रतियोगिताओं के आयोजकों अथवा राजकीय संस्थाओं द्वारा दिये गये मूल प्रमाण पत्र ही केवल मान्य होंगे।

यदि किसी अभ्यर्थी ने लखनऊ विश्वविद्यालय से स्नातक की परीक्ष उत्तीर्ण की है तो उसे परास्नातक में प्रवेश के समय मेरिट (योग्यता) अंको में 5 अंक का भारांक दिया जायेगा लेकिन प्रवेश हेतु न्यूनतम शैक्षक योग्यता के लिए इसको नहीं जोड़ा जायेगा।

नोट–

1. आरक्षण का लाभ उत्तर प्रदेश सरकार / लखनऊ विश्वविद्यालय के नियमों के अन्तर्गत दिया जायेगा।
2. कुल वरीयता अंको (भारण) का योग 10 प्रतिशत भारांक से अधिक नहीं होगा।

गैप इयर हेतु शपथ–पत्र का प्रारूप– 01

(10 रूपये के स्टाम्प पेपर पर नौटेरी द्वारा सत्यापित)

मैं, ...पुत्र/पुत्री श्री ....

पता...
....जो आपके महाविद्यालय (सी.एस.एन. पी.जी. कॉलेज, हरदोई) में कक्षा ...
..................................में प्रवेश लेना चाहता हूँ/चाहती हूँ।

मैं शपथपूर्वक बयान करता हूँ/करती हूँ कि मैंने इण्टर/बी.ए./बी.एस.सी./बी.काम. प्रथम वर्ष/द्वितीय वर्ष ....में उत्तीर्ण की है इसके बाद वर्ष..............से वर्ष..................तक मैनें किसी भी अन्य संस्थागत विद्यालय/महाविद्यालय में प्रवेश नहीं लिया है। मैं इस अन्तराल में ....कारण/कारणों से प्रवेश नहीं ले सका था/सकी थी।

यदि मेरा उक्त बयान/घोषणा असत्य किसी अंश तक मिथ्या पायी जाती है तो मेरा प्रवेश निरस्त कर दिया जाये। मेरे विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करने के लिए सम्बन्धित महाविद्यालय स्वतन्त्र होगा।

उक्त शपथ पूर्वक बयान के लिए ईश्वर मेरी मदद करे।

स्थान : प्रार्थी/अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

तिथि : प्रार्थी का नाम ....

पिता का नाम...

पता...

....

कार्यालय–ज्ञाप–संख्या–3 / 2019 / 4 / 1 / 2002 / का–2 / 19टी.सी.– ।।, दिनांक 14 मार्च 2019 का

संलग्नक

(प्रारूप–1)

उत्तर प्रदेश सरकार

कार्यालय का नाम...

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के सदस्य द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला आय एवं परिसम्पत्ति प्रमाण–पत्र

प्रमाण–पत्र संख्या .... दिनांक.............................

वित्तीय वर्ष.......................................के लिए मान्य

प्रमाणित किया जाता है कि श्री / श्रीमती / कुमारी...

पुत्र / पति / पुत्री..ग्राम / कस्बा...

पोस्ट ऑफिस... थाना...

तहसील..जिला...राज्य..

पिन कोड...के स्थायी निवासी हैं, जिनका फोटोग्राफ नीचे अभिप्रमाणित है, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के सदस्य हैं, क्योंकि वित्तीय वर्ष .... में इनके परिवार की कुल वार्षिक आय रू. 8.00 लाख (आठ लाख रूपये मात्र) से कम है। इनके परिवार के स्वामित्य में निम्नलिखित में से कोई भी परसम्पत्ति नहीं है–

5 (पांच) एकड़ कृषि योग्य भूमि अथवा इससे ऊपर।

एक हजार वर्ग फीट अथवा इससे अधिक फ्लैट।

अधिसूचना नगर पालिका के अन्तर्गत 100 वर्ग गज अथवा इससे अधिक का आवासीय भूखण्ड।

अधिसूचना नगर पालिका से इतर 200 वर्ग गज अथवा इससे अधिक का आवासीय भूखण्ड।

श्री / श्रीमती / कुमारी.................................... ....जाति..के सदस्य हैं, जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के रूप में अधिसूचना नहीं है।

आवेदक का पासपोर्ट साईज का अभिप्रमाणित फोटोग्राफ

हस्ताक्षर ....(कार्यालय की मुहर सहित)

पूरा नाम...

पदनाम..

जिलाधिकारी / अतिरिक्त जिलाधिकारी / सिटी मजिस्ट्रेट / परगना मजिस्ट्रेट / तहसीलदार

कार्यालय–ज्ञाप–संख्या–3/2019/4/1/2002/का–2/19टी.सी.–।।, दिनांक 14 मार्च 2019 का संलग्नक
(प्रारूप–।।)

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लाभार्थी स्वयं घोषणा–पत्र

स्वंय घोषणा–पत्र

मैं..पुत्र/पुत्री/ पत्नी..

ग्राम/कस्बा ....पोस्ट ऑफिस...

जिला ....राज्य... में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के प्रमाण–पत्र हेतु आवेदन–पत्र दिया है, एतद् द्वारा घोषणा करता/करती हूँ :–

1– मैं ....जाति से सम्बन्ध रखता/रखती हूँ, जो उत्तर प्रदेश हेतु अधिसूचित अनुसूचित जाति, अनूसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची में सूचीबद्ध नहीं है।

2– मेरे परिवार की कुल स्रोतो (वेतन, कृषि, व्यवसाय, पेशा इत्यादि) से कुल वार्षिक आय रू.......................... (शब्दों में)...है।

3– मेरे परिवार के पास उल्लिखित आय के सिवाय अथवा इसके अतिरिक्त अन्यत्र कोई परिसम्पत्ति नहीं है।

अथवा

कई स्थानों पर स्थित परिसम्पत्तियों को जोड़ने के पश्चात भी मैं (नाम).......................................आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के दायरे में आता/आती हूँ।

4– मैं घोषणा करता/करती हूँ कि मेरे परिवार की सभी परिसम्पत्तियो को जोड़ने के पश्चात निम्नलिखित में से किसी भी सीमा से अधिक नहीं है :–

5 (पांच) एकड़ कृषि योग्य भूमि अथवा इससे ऊपर।
एक हजार वर्ग फीट अथवा इससे अधिक फ्लैट।
अधिसूचना नगर पालिका के अन्तर्गत 100 वर्ग गज अथवा इससे अधिक का आवासीय भूखण्ड।
अधिसूचना नगर पालिका से इतर 200 वर्ग गज अथवा इससे अधिक का आवासीय भूखण्ड।

मैं प्रमाणित करता/करती हूँ कि मेरे द्वारा उपरोक्त जानकारी मेरे ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य है और मैं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षण सुविधा प्राप्त करने हेतु पात्रता धारण करता/करती हूँ। यदि मेरे द्वारा दी गई जानकारी असत्य/गलत पायी जाती है तो मैं पूर्ण रूप में जानता हूँ/जानती हूँ कि इस आवेदन पत्र के आधार पर दिये गये प्रमाण–पत्र के द्वारा शैक्षणिक संस्थान में लिया गया प्रवेश/लोक सेवाओं एवं पदों में प्राप्त की गई नियुक्ति निरस्त कर दी जायेगी/कर दिया जायेगा अथवा इस प्रमाण–पत्र के आधार पर कोई अन्य सुविधा/लाभ प्राप्त किया गया है उससे भी वंचित किया जा सकेगा। और इस सम्बन्ध में विधि एवं नियमों के अधीन मेरे विरूद्ध की जाने वाली कार्यवाही के लिए मैं उत्तरदायी रहूँगा/रहूँगी।

नोट– जो लागू नहीं हो उसे काट दें।

आवेदक/आवेदिका का हस्ताक्षर तथा पूरा नाम

स्थान :
दिनांक :

UNDERTAKING / DECLARATION

I,……………………………………S/o or D/o Shri…………………………………

hereby declare that :-

The facts given by me in the admission form are true to the best of my knowledge. And belif I Heirdly declare that I have not concealed any fact which is important to be disclosed by a bonafied student of the University/ college/ Institution. I understand that concealment of facts is punishable at any point of time.

I agree to abide by the rules and regulations of University/ college/ Institution applicable from time to time and will not indulge in any activity which brings disrepute to my college/Institute and/University. I also declare that I will not pursue for appearing in University Examination if my attendance falls below 75%

I understand that ragging as defined by the authorities like Hon'ble Supreme Court/ Hon'ble High Court/Central Govt./ State Govt./UGC/University etc. is punishable offence. I am fully aware of the consequences of my indulgence in any sort of ragging and hence. I will not involve myself in any act of ragging on and off campous of the University/College/Institution.

I also understand, in case, I am found Guilty of any such activity, narrated in foregoing points. I will be liable for punishment which may be to the extent of expulsion/rustication from the University/College/Institution including initiation of legal criminal proceeding against me.

No case is pending against me in any court of Law theoughout the territory of India nor is there any matter lying against me in any police station. (भारत क्षेत्र के अन्तर्गत किसी भी न्यायालय मेरे विरूद्ध कोई वाद नहीं है, और नही में विरूद्ध कोई मामला किसी थाने में है।)

Signature of the Students:……………………………….

Name of Student :……………………………

.

Father's Name :……………………………….

Course of study :……………………………….

Year of admission :………………………………..

The above named candidate is Son/Daughter in Law/Son –in Law/wife/ward of the undersigned. The undersigned as Parent/Guardian owes whole responsibility to the above declaration signed by the above named student. In case, the above named student is found Quilty of any unlawful activity/ragging done by him/her, the undersigned will have no objection if he/ she is blacklisted/debarred/expelled/rusticated and/or any legal criminal proceeding is initiated against him/her by the State/University/College at any stage during his/her course of study. As Parent/Guardian, the undersigned himself/herself will be agreeable to any punitive action taken against the above named student by the State/University/ College/Institution as per statuory provisions.

Signature of Parent/Guardian:………………….…….

Name of Parent/ Guardian:……………………………

Relation with the Student:……………………………..

Date :……………………………..

Place - :…………………

विभागवार प्राध्यापकों का विवरण

विभाग / संकाय	प्राध्यापक
राजनीति विज्ञान	01.डॉ0 मिथिलेश कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. पी–एच.डी.) 02.डॉ0 अखिलेश कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. पी–एच.डी. जे.आर.एफ) 03. मो0 सलीम, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए.पी–एच.डी. जे.आर.एफ)
भूगोल	01.डॉ0 पुष्पारानी गंगवार, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए. पी–एच.डी..) 02.श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए.एलएल.बी. जे.आर.एफ) 03. श्री राकेश सिंह, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए. जे.आर.एफ.) 04. श्री अमित कुमार, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए. जे.आर.एफ.) 05. डॉ0 अरूण कुमार मौर्य, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए. पी–एच.डी. नेट, पी.जी.डी.डी.एम, पी.जी.डी.आर.डी) 06. श्री अजय कुमार शुक्ला, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए. नेट) 07. श्री ईश्वर दीन, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए. जे.आर.एफ) 08. डॉ0 रजनीश कुमार, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए. पी–एच.डी. जे.आर.एफ)
हिन्दी	01 श्रीमती साधना शुक्ला, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए. नेट) 02– डॉ0 दीपक कुमार राय, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए.पीएच–डी. नेट) 03– श्री कुश कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. एम.एड. नेट) 04– श्री मणिपाल सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. जे.आर.एफ.) 05– श्री श्रवण कुमार गुप्त, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. जे.आर.एफ)

अर्थशास्त्र	01–डॉ0 शिवेन्द्र सिंह, असिस्टेण्ट प्रोफेसर (एम.ए. एम.फिल पी–एच.डी. नेट, आई.सी. एस.एस.आर फेलोशिप) 02– श्री गोविन्द सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. जे.आर.एफ) 03– श्री सचिन सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. जे.आर.एफ.) 04– श्री अमित कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. नेट)
समाजशास्त्र	01–श्री विनय शील, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. नेट.) 02–सुश्री सरिता वर्मा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. नेट.) 03– सुश्री शिवानी सिंह, अतिथि प्रवक्ता (एम.ए. नेट)
संस्कृत	01–डॉ0 किशोरी लाल सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. पी–एच.डी, नेट) 02– सुश्री रश्मि द्विवेदी, अतिथि प्रवक्ता (एम.ए. नेट)
शिक्षाशास्त्र	01–श्री राम उग्र, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. नेट.) 02–श्री वीर पाल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. नेट.)
अंग्रेजी	01–सुश्री शैवाल कनौजिया, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. नेट.) 02–सुश्री प्रिया शर्मा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. जे.आर.एफ.)
इतिहास	01–श्री कृष्ण लाल, अतिथि प्रवक्ता (एम.ए. नेट)
बी0बी0ए0	01–सुश्री श्वेता दूबे, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.कॉम. नेट.) 02–श्री पुष्पेन्द्र कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.ए. नेट)
बी0कॉम0	01– श्री जपनीत सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.कॉम. नेट.) 02–श्री अमित कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एम.कॉम. नेट.)

Indira Gandhi National Open University

IGNOU for Distance Learning is a Central University which came into existence through an Act of Parliament way back in 1985. In line with its objective of reaching the unreached, the IGNOU Study Centre was established in June 2007 by the then Regional Director Dr Amit Chaturvedi in CSN PG College, in the district of Hardoi which is regarded as one of the most backward districts of the state. Eversince the IGNOU Study Centre has been catering to the needs of providing access to higher education to those underprivileged sections of the society of the district that have largely been deprived of it so far. Besides the courses of BA and MA, several employment oriented Certificate and Diploma courses are conducted at the Centre for the benefit of the poor by being available to them at their door steps so that they can attain excellence in their life through education.

Mr. Kush Kumar
Asst. Professor/Asst. Co-ordinator
IGNOU Center, C.S.N. P.G. College, Hardoi

समाजशास्त्र विभाग परिचय

समाजशास्त्र विभाग में स्नातक स्तर की कक्षाओं का प्रारम्भ 1965–66 में, जब कानपुर विश्वविद्यालय, आगरा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध था, तब से हो गया था। प्रारम्भ में समाजशास्त्र विभाग से श्री रवीन्द्र सिंह चौहान जी की नियुक्ति 18.07.1965 में हुई। वह समाजशास्त्र के बहुत अच्छे प्रवक्ता व जानकार थे। उसके बाद श्री सन्तोष कुमार बाजपेयी जी की नियुक्ति 11.10.1968 को हुई। 1973–74 में समाजशास्त्र विषय में विश्वविद्यालय द्वारा स्नातकोत्तर कक्षाओं का अनुमोदन प्राप्त हुआ। 1973–74 से समाजशास्त्र विषय में एम0ए0 कक्षाओं की विधिवत् अध्यापन प्रारम्भ हुआ।

स्नातकोत्तर कक्षाओं के प्रारम्भ होने के बाद 01.02.1974 में श्री अजय प्रताप सिंह की समाजशास्त्र विषय में नियुक्ति हुई। 13.01.1975 में डॉ0 नरेश चन्द्र शुक्ल की समाजशास्त्र विषय में नियुक्ति हुई। श्री रवीन्द्र सिंह चौहान जी जून 1994 में, श्री सन्तोष कुमार बाजपेयी जून 2006 में तथा डॉ0 नरेश चन्द्र शुक्ल महाविद्यालय में प्राचार्य पद पर जून 2013 से मार्च 2015 तक कार्यरत रहे तथा जून 2015 में सेवानिवृत्त हुए। श्री अजय प्रताप सिंह का असामयिक निधन 03.05.2009 को सेवाकाल में ही हो गया था। डॉ0 अनिल कुमार सिंह की नियुक्ति 12.07.1996 को हुई, इन्होंने मार्च 2015 से अक्टूबर 2021 तक कार्यवाहक प्राचार्य के पद पर अपनी सेवाएँ महाविद्यालय में दी तथा इनकी सेवानिवृत्ति 30.06.2022 को हुई। डॉ0 दयाशंकर सिंह यादव की नियुक्ति 28.02.2009 को हुई। डॉ0 दयाशंकर सिंह यादव का स्थानान्तरण सकलडीहा पी0जी0 कालेज, सकलडीहा में 16.07.2019 को हो गया था।

वर्तमान में उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग द्वारा चयनित श्री विनय शील एवं श्रीमती सरिता वर्मा 30.06.2022 की समाजशास्त्र विभाग में नियुक्ति हुई तथा सुश्री शिवानी सिंह अतिथि प्रवक्ता के पद पर कार्यरत् है।

समाजशास्त्र विभाग द्वारा कार्यशाला का आयोजन 20 दिसम्बर 2004 में **'अपराध शास्त्र व दण्डशास्त्र'** पर विद्यालय प्रांगण में ही किया गया। इस कार्यशाला में कारागार महानिदेशक उत्तर प्रदेश कैप्टेन एस0के0 पाण्डेय मुख्यवक्ता के रूप में उपस्थित रहे। 09 जनवरी 2010 को समाजशास्त्र परिषद द्वारा **'विकासशील देशों में विकास की विसंगतियाँ'** विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में बी0एच0यू0 के प्रो0(डॉ0) पी0एन0पाण्डेय उपस्थित रहे। दिनांक 29 जनवरी 2011 को समाजशास्त्र विभाग द्वारा **'भारतीय आधुनिकता : समस्याएं एवं सम्भावनाएं'** विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें डॉ0 डी0पी0 सक्सेना, पूर्व डीन, दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर, मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। दिनांक 08 व 09 फरवरी 2012 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू0जी0सी0) द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी **'पर्यावरण की रोकथाम में मानव मूल्यों की भूमिका' 'Role of Human Values in the Prevention of Environment'**विषय पर आयोजन किया गया। इस सेमिनार में प्रो0(डॉ0) पी0एन0 पाण्डेय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी से मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

गत वर्ष दिनाँक 05.11.2022 को विभाग द्वारा **'इन्डक्शन प्रोग्राम'** आयोजित किया गया, जिसमें नवीन सत्र में प्रवेश प्राप्त छात्र/छात्राओं को विद्यालय परिवेश, कार्यशैली एवं विषय के महत्त्व पर मुख्य वक्ता डॉ0 पवन कुमार मिश्रा एसोसिएट प्रोफेसर लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा ज्ञानार्जन किया गया। दिनाँक 11.12.2022 को युवा महोत्सव के अन्तर्गत अकादमिक व्याख्यानमाला में विभाग द्वारा **'वर्तमान समय में समाजशास्त्र की प्रासंगिकता'** विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रो0 विभूति भूषण मलिक डीन, अम्बेडकर स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर (केन्द्रीय) विश्विद्यालय एवं विशिष्ट वक्ता के रूप में डॉ0 अजय कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर समाजशास्त्र विभाग बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर (केन्द्रीय) विश्वविद्यालय उपस्थित रहे।

विभाग की उपलब्धियों में मुकेश कुमार (पूर्व छात्र) सी0एस0एन0 पी0जी0 कालेज का चयन उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग द्वारा असिस्टेन्ट प्रोफेसर के पद पर बरेली कालेज, बरेली में हुआ साथ ही अंशू पाल, मोहित वर्मा एवं शिखा देवी ने दिसम्बर 2024 में यू0जी0सी0 नेट की परीक्षा में उत्तीर्ण किया। वर्तमान में अंशू पाल लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में शोध छात्रा हैं।

संस्कृत विभाग

स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी स्व0 बाबू मोहनलाल वर्मा जी के सतत् प्रयासों से 10 अक्टूबर 1965 ई0 को सी0एस0 नेहरू कालेज की स्थापना की गयी। कालेज प्रबन्ध समिति द्वारा सन् 1965–66 से 06 विषयों के साथ स्नातक कक्षाओं का संचालन प्रारम्भ किया गया। शनैः शनैः स्नातक विषयों की संख्या बढ़ती गयी। वर्तमान में 09 विषयों के साथ स्नातक की कक्षाएँ और 06 विषयों के साथ परास्नातक की कक्षाएँ संचालित हैं।

संस्कृत की परास्नातक कक्षाओं का प्रारम्भ सत्र 1969–70 से डॉ0 के0के0 अवस्थी जी के करकमलों द्वारा प्रारम्भ हुआ। इसी क्रम में डॉ0 के0के0 मिश्र, डॉ0 ओ0पी0 पाण्डेय, प्रो0 ब्रह्म प्रसाद वर्मा, स्व0 मुन्नी शुक्ला, डॉ0 रमेश कुमारी सिंह चौहान एवं डॉ0 महेन्द्र वर्मा जी द्वारा अपनी सेवाएँ प्रदान की गयी। डॉ0 महेन्द्र वर्मा जी ने 1996 से 2017 तक अपनी सेवाएँ प्रदान की। अतिथि शिक्षिका के रूप में 2019 से कुमारी रश्मि द्विवेदी अपनी सेवा प्रदान कर रही हैं। उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित डॉ0 किशोरी लाल सिंह बतौर सहायक आचार्य (असिस्टेन्ट प्रोफेसर) संस्कृत विभाग में प्रभारी/विभागाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

शिक्षाशास्त्र विभाग

स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी स्व0 बाबू मोहनलाल वर्मा द्वारा सन् 1965 में स्थापित सी0एस0एन0 महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही स्नातक स्तर पर कला संकाय में शिक्षाशास्त्र विषय में पठ्न पाठ्न शुरू करने वाला जनपद का एकमात्र विद्यालय है। सितम्बर 1971 तक यह महाविद्यालय जिला चिकित्सालय के सामने स्थित केन सोसायटी के भवन में संचालित हो रहा था। पूर्व प्राचार्य स्व0 एम0पी0 जौहरी, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मान्यता प्राप्त होने के फलस्वरूप वर्तमान भवन का उद्घाटन 02 अक्टूबर 1971 को गांधी जयंती के पावन अवसर पर मा0 अशोक बाजपेयी के करकमलों से सम्पन्न हुआ। यह स्नातकोत्तर महा. विद्यालय जो कला संकाय के अन्तर्गत जनपद की उच्च शिक्षा की व्यापक आवश्यकताओं को अधिकांश रूप में पूरा करता है। उत्तर प्रदेश के अन्य सहायता प्राप्त महाविद्यालय भाँति हमारा महाविद्यालय भी शिक्षकों के अभाव में जूझ रहा था। जो वर्तमान में महा. विद्यालय का स्वरूप बदल चुका है।

वर्तमान में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर कौशलेन्द्र कुमार सिंह के सहयोग और प्रभावशाली नेतृत्व में हमारा महाविद्यालय प्रगति पथ की ओर अग्रसर है। यह प्रतिवेदन विगत सत्रों के उच्चावच अपने में समेटे हुए है।

वर्तमान में शिक्षाशास्त्र विभाग में आयोग से चयनित डॉ0 राम उग्र गोस्वामी (नेट, जे.आर.एफ.) शिक्षाशास्त्र विभाग के प्रभारी के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं तथा साथ ही डॉ0 वीर पाल गंगवार (नेट, जे.आर.एफ.) असिस्टेन्ट प्रोफेसर के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। वर्तमान में शिक्षाशास्त्र विभाग में विद्यार्थियों की शिक्षा के अवधारणा की समझ विकसित करने के साथ–साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986, संशोधित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1992 एवं तीसरी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के निर्धारित पाठ्यक्रम को कवर करने के साथ–साथ छात्रों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। किसी भी विषय को समझने की प्रक्रिया क्या होगी, उसके नियम और सिद्धान्त क्या–क्या होगा जिसको विद्यार्थी शिक्षा मनोविज्ञान के द्वारा समझते है। शिक्षा की अवधारणीय संरचना जैसे गूढ़ विषय को सरल रूप से तमाम उदाहरणों के द्वारा छात्रों को बताया जाता है। शिक्षण सत्र 2022–23 में बी0ए0 तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए प्रयोगात्मक परीक्षाएं पुनः प्रारम्भ की जा चुकी हैं। जो विगत कई वर्षों से संचालित नहीं हो पा रही थी।

शिक्षाशास्त्र वह विषय है जिसमें विद्यार्थियों को शिक्षा के सैद्धांतिक पक्षों के साथ–साथ व्यवहारिक पक्षों से भी अवगत कराया जाता है। शिक्षा मानव व्यवहार का परिष्कार करती है जिससे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है। क्रो एवं क्रो के अनुसार– 'शिक्षक बालकों को प्रेरित करके उन्हें अपने ध्यान को पाठ्य विषय पर केन्द्रित करने में सहायता दे सकता है।' उपरोक्त कथन से प्रेरणा लेते हुए हमें पूर्ण आशा एवं विश्वास है कि कुशल प्राचार्य एवं शिक्षकों के नेतृत्व में शिक्षाशास्त्र के विद्यार्थी अवश्य लाभान्वित होंगे और अपने भविष्य को उज्जवल बनायेंगे।

अर्थशास्त्र विभाग

महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही स्नातक स्तर पर अर्थशास्त्र विषय का पठन–पाठन शुरू हुआ। प्राध्यापक के रूप में श्री ए.के. श्रीवास्तव (1966) तथा श्री भरत सिंह (1967) का चयन लेक्चरर के रूप में हुआ। महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के पहले विभागाध्यक्ष श्री ए.के. श्रीवास्तव हुये। महाविद्यालय में वर्ष 1971 से स्नातकोत्तर स्तर पर अर्थशास्त्र विषय की कक्षाऐं संचालित हुई जिसमें डॉ. ओम प्रकाश मिश्रा (1971) का चयन रीडर पद पर हुआ तथा श्री हरिमोहन श्रीवास्तव (1972), डॉ शान्ति स्वरूप अग्निहोत्री (1973) तथा श्री अतहर अली सिद्दीकी (1974) का चयन लेक्चरर के रूप में हुआ। अर्थशास्त्र विभाग के अगले विभागाध्यक्ष डॉ. ओम प्रकाश मिश्रा बने। महाविद्यालय के एक मात्र शिक्षक डॉ. ओम प्रकाश मिश्रा जो आयोग से चयनित होकर गोला गोकर्णनाथ पी.जी. कालेज, लखीमपुर खीरी के प्राचार्य बनें। अर्थशास्त्र विभाग के अगले विभागाध्यक्ष क्रमशः श्री ए. के. श्रीवास्तव, श्री भरत सिंह एवं श्री सिद्दीकी रहे। अर्थशास्त्र विभाग का यह सौभाग्य है कि महाविद्यालय के पहले प्राचार्य श्री अवध बिहारी मिश्रा, प्राचार्य श्री हरिनाथ शुक्ला तथा प्राचार्य महावीर प्रसाद जौहरी अर्थशास्त्र विषय से सम्बन्धित थे। अर्थशास्त्र विभाग के कई पूर्व छात्र–छात्राएं देश की प्रतिष्ठित सेवाओं में चयनित होकर हरदोई जिले एंव प्रदेश का नाम रोशन किया।

वर्तमान में आयोग से चयनित डॉ. शिवेन्द्र सिंह (2018) अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवायें दे रहें है। डॉ सिंह का एम.फिल गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गॉधीनगर तथा पी.एच.डी. बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी एंव गिरी विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ (आई.सी.एस.एस.आर संस्थान) के संयुक्त तत्वावधान में हुई। डॉ सिंह को शोध कार्य के लिये आई. सी.एस.एस.आर इंस्टीटुय्शनल डाक्टोरल फेलोशिप प्राप्त हुयी।आयोग से अर्थशास्त्र विषय में चयनित श्री गोविन्द सिंह, श्री सचिन सिंह एंव श्री अमित कुमार वर्ष 2022 से महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में कार्यरत हैं। वर्तमान में श्री गोविन्द सिंह एंव श्री सचिन सिंह को इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज से सम्बन्धित विषय में पी.एच.डी. कर रहे हैं। श्री गोविन्द सिंह एंव श्री सचिन सिंह अर्थशास्त्र विषय में जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जे.आर.एफ.) हुआ। अर्थशास्त्र विभाग का यह सौभाग्य है कि श्री अमित कुमार अर्थशास्त्र विषय से इसी महाविद्यालय से एम.ए. उत्तीर्ण किया तथा वर्तमान में लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में पी.एच.डी. कर रहे हैं। अर्थशास्त्र विभाग के शिक्षकों के 06 स्वीकृत पदों में वर्तमान में 04 शिक्षक कार्यरत हैं तथा 02 पद रिक्त हैं। स्नातकोत्तर स्तर पर 60 सीटें विद्यार्थियों हेतु स्वीकृत हैं तथा स्नातक स्तर पर 240 सीटें स्वीकृत हैं।

अर्थशास्त्र विभाग द्वारा पर्यावरण, अर्थव्यवस्था एवं विकास के शीर्षक पर 13.12.2022 को एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रो0 मोहम्मद मुजम्मिल (पूर्व कुलपति) थे। विभाग के शिक्षकों द्वारा परास्नातक स्तर पर अर्थशास्त्र विषय के छात्र–छात्राओं के लिए एक विभागीय पुस्तकालय बनायी गयी है, जिसमें विषय की सभी महत्वपूर्ण पुस्तकें अध्ययन के लिए उपलब्ध हैं।लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के शोध विकास समिति एंव अर्थशास्त्र विभाग के विभागीय शोध समिति द्वारा डॉ. शिवेन्द्र सिंह को पी.एच.डी.शोध पर्यवेक्षक अनुमोदित किया गया है। वर्तमान में महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में पी.एच.डी. शोध कार्य प्रारम्भ हो गया है। विभाग के गत वर्षों के कई छात्र–छात्राओं का चयन विभिन्न सरकारी संस्थाओं(टी0जी0टी0, पी0जी0टी0 व डी0एस0एस0बी0) एवं सार्वजनिक तथा निजी बैंकिंग क्षेत्र में हुआ है। विभाग का उद्देश्य बी.ए. तथा एम.ए. के छात्र–छात्राओं को शोध कार्य के लिये प्रेरित करना, स्वरोजगार तथा प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना एंव मूल्यवर्धित शिक्षा के लिये विद्यार्थियों को प्रेरित करना है।

भूगोल विभाग

सी0एस0एन0 पी0जी0 कालेज, हरदोई में भूगोल विभाग की स्थापना सन् 1992 में हुई थी। डॉ0 बी0डी0 शुक्ल जी को इसका संस्थापक विभागाध्यक्ष होने का गौरव प्राप्त हुआ। शासन द्वारा परास्नातक पाठ्यक्रम के लिए कुल चालीस सीटें स्वीकृत है। "We are citizens of planet earth" के ध्येय पर सतत् क्रियाशील यह विभाग समीपवर्ती जनपदों के छात्र/छात्रा यथा– कन्नौज, फर्रूखाबाद, शाहजहाँपुर, लखीमपुर, सीतापुर, लखनऊ भी यहाँ अध्ययन करने आते हैं विभाग का विभागीय पुस्तकालय नवीनतम पुस्तक. ों, एटलसों, मासिक व वार्षिक पत्रिकाओं, पर्यटन गाइड, रोड विभिन्न प्रकार के 2–डी, 3–डी मानचित्रों, ग्लोब से समृद्ध/मैप पुस्तक. ालय के साथ–साथ विभाग की अपनी एक प्रयोगशाला भी है। दो पुस्तकालय सहायक का पद सृजित है किन्तु वर्तमान में सेवा. निवृत्ति के कारण रिक्त है। उपकरणों, कम्प्यूटर, प्रोजेक्टर से सुसज्जित है।

भूगोल विभाग में शासन के द्वारा शिक्षकों के कुल 08 पद सृजित हैं। वर्तमान में सभी पदों पर सुयोग्य शिक्षक कार्यरत हैं। डॉ0 पुष्पा रानी गंगवार के नेतृत्व में प्रो0 जितेन्द्र सिंह चौहान, प्रो0 राकेश सिंह, प्रो0 अमित कुमार, प्रो0 अरूण कुमार मौर्य, प्रो0 अजय कुमार शुक्ल, प्रो0 ईश्वर दीन तथा प्रो0 रजनीश कुमार एण्ड टीम के रूप में अपनी विषय विशेषज्ञ सेवायें महाविद्यालय को प्रदान कर रहे हैं।

महाविद्यालय की भूगोल फैकल्टी मेम्बर्स की संख्या के आधार लखनऊ विश्वविद्यालय का सबसे बड़ा विभाग है ही साथ ही गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा तथा विशेषज्ञता के आधार पर यह पूरे प्रदेश का सबसे प्रतिष्ठित भूगोल विभाग है।

विभाग को प्रदेश स्तर पर भौगोलिक अध्यापन का उत्कृष्टता का केन्द्र है, यहाँ शिक्षण अधिगम, फील्ड वर्क तथा शोध अनुसंधान में नई तकनीकी तथा नवाचारों का प्रयोग करके विषय को रूचिकर, बोधगम्य और सरल बनाकर शैक्षिक पर्यटन, भ्रमण, क्षेत्र–सर्वेक्षण के द्वारा विषय को समाजोन्मुख, स्वरूप दिया गया है। आई0टी0, जी0ई0एस0 तथा रिमोट सेंसिंग के अनुप्रयोग द्वारा विषय की व्यापकता को बढ़ाने के लिए योग्य एवं मेधावी विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाओं का नियमित संचालन किया जाता है।

DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE

Saga of the journey of the Department of Political Science in CSN PG College is as old as the one of the institution itself as the teaching in the subject started at Graduate level since the inception of the institution way back in 1965.That was the time when Higher Education in a poor and backward district like Hardoi was more of a dream than reality. Dream came true as vision of Freedom Fighter Babu M.L.Verma bore fruits and CSN College became a reality here when there was no Centre of Higher Education in and around the radius of 50 km of Hardoi. In the beginning of 70s teaching started being imparted in the subject at Post Graduation level along with four other subjects and UGC undertook it in its list under 2f and 12b. Ever since the department has been pioneer in many respects in being harbinger of many a rich tradition in the college like starting the Welcome and Farewell functions in line with the tradition of premier universities of the state, holding of moot parliament and publishing its own magazine of the department. When the undersigned joined the institution having the distinction of first and only JRF not only in the department but in the entire district and first to join the department having been selected through Higher Education Commission. The subject became very popular that it was allotted 120 seats in M.A.whereas other subjects of the college were allotted to the maximum of only 60 seats each.

At that time academic environment was so befitting the academic tradition that college ran in three shifts, as the institution lacked infrastructure and classes started to run from 8.00am and continued till 4.20 pm with full attendance. There used to be tremendous pressure for admission in the college as it was the premier institution in the district. The department was fortunate in being endowed with abled faculty members led by then renowned scholar of the subject Dr.P.N.Bajpai who acted as Principal also.

The Department was embellished with such jewels as Dr M.A. Khan, Mrs Sarla Bajpai, Mr S.S. Awasthi and Mr A.C. Bajpai, all products of highly reputed Department of Political Science, University of Lucknow. Many times the students of the department stood first in the entire college in MA Exam of the University,at times with rank in the University and qualified for special scholarship which ran in the name of the Founder of the college and thus added further grandeur to the department. Many students of the department have joined reputed posts in different walks of life as it was evident from alumni meet.

As the long lifeline of any person is not the straight one and has its own highs and lows so was the case with the Department and the Institution as well.There was mushroom growth of self - financed institutions all around the district leading to the abrupt drop in the admission. Education became a commodity which could be sold and purchased in the market.

This was compounded with ever increasing graph of retiring teachers.The department too had to bear the brunt of the retiring teachers as the undersigned was left alone in 2010 as all others retired and had to bear the burden and run the department single handedly for nearly a decade. Attendance dropped from the classrooms to the vanishing point more because of the fact that students appeared reluctant to come just for one class in a day as others departments too suffered the similar fate.

Then the Pandemic sucked the department and the institution further deep into the quagmire to the extent that Institution touched the rock bottom making all the more difficult to extricate it from there. There is a saying if the autumn is around can spring be far behind. Phoenix like resurrection awaited the Institution and the department as well. New dawn descended, Corona receded and teachers started joining the institution, new Principal Prof.K.K.Singh joined who luckily happened to be of the same subject asof the department. He cooperated and put in labor in uplifting the department by sharing half of my burden in imparting teaching both in UG & PG levels. Academic environment which was badly vitiated was put back to track. Admission graph once again rose very high and left all other departments behind.

As the wheel of fortune turned three new Assistant Professors, namely, Dr. Mithilesh Kumar Singh, Dr. Akhilesh Kumar and Mohd. Saleem joined the department. The youthful exuberance of the three new faculty members will take the department to scale new height and help acquire the pinnacle of its glory. They have already successfully started running Seminar Library in the departmental room which was a thing of the past and thus added yet another feather in the cap of the Department.

Dr Mithilesh Kumar Singh,
Asst. Professor.

DEPARTMENT OF ENGLISH

Along with the establishment of the college in the year 1965 the Department of English with the Undergraduate courses was founded by Mr. S.M.L. Verma and Mr. B.V.L Mishr served the college as English faculty where Mr. S.M.L Verma was the first Head of the Department. Leading the college in English language and providing them with the best of the knowledge, the college has seen a glorious time under their guidance.

At present, Miss Shaiwal Kanaujia and Mrs. Priya Sharma, who are selected from the Higher Education, are serving the department as Assistant Professors. The Head of the Department, Miss Shaiwal Kanaujia, teaches Poetry and Drama while Mrs. Priya Sharma is mastering Prose and Short Stories.

The two young professors in the department aim to enhance the understanding of English language and create interest in the students for English literature. Our aim is to bring out the creative side of the students by helping them understand poetry, dramas and stories so that they can voice their thoughts in verse and prose.

हिंदी विभाग

महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर हिंदी भाषा और हिंदी साहित्य की कक्षाएं 1965-66 से आरंभ हुईं तथा हिंदी परास्नातक कक्षाएं 1969-70 से आरंभ हुईं। महाविद्यालय में 10-10-1965 से डॉ दुर्गा प्रसाद गौड़ द्वारा शिक्षण आरंभ हुआ जो अद्यतन विभिन्न प्राध्यापकों के कुशल अध्यापन में निरंतर प्रगति पर है। महाविद्यालय में हिंदी विषय में शोधकार्य की एक सुदीर्घ परंपरा निरंतर गतिमान है। महाविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक डॉ शिवबालक शुक्ल द्वारा रचित "**श्रवण कुमार** " नामक खंडकाव्य माध्यमिक शिक्षा परिषद के इंटरमीडियट के पाठ्यक्रम में सम्मिलित है। शुक्ल जी ने अनेक निबंध लिखे जिनमे प्रमुख निम्न हैं - वांङ्मय काव्य तथा साहित्य, तुलसी का व्यंजना कौशल, रामचंद्रिका में महाकाव्यत्व, नाटक और उपन्यास में अंतर, कहानी तथा गद्य की कुछ विधाएं, कामायनी का महाकाव्यत्व, साकेत का नायक आदि। इसके अतिरिक्त इनका एक काव्यसंग्रह उद्भावना है। पूर्व प्राध्यापक डॉ शिवस्वरूप तिवारी ने भी सुहासिका, गौधूरि और नागफनी के दंश आदि अनेक रचनाओं से साहित्य की श्रीवृद्धि की है। डॉ श्रीचंद्र सिंह हिंदी एवम साहित्य के मर्मज्ञ विद्वान हैं। कथा साहित्य पर उनका विशिष्ट अधिकार है। इक्कीसवीं सदी का ट्रेडमार्क इनका सुप्रसिद्ध कहानी संग्रह है। वरिष्ठ कवि एवम साहित्यकार डॉ विद्यासागर वर्मा, डॉ गिरीश्वर मिश्र, डॉ वंशगोपाल गुप्ता, डॉ देवता प्रसाद त्रिपाठी आदि विभिन्न पूर्व विद्वान आचार्यों ने हिंदी विभाग को नयी ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

संप्रति हिंदी विभाग में पांच प्राध्यापक कार्यरत हैं श्रीमती साधना शुक्ला (असिस्टेंट प्रोफेसर/विभागाध्यक्ष), डॉ०दीपक राय (असिस्टेंट प्रोफेसर), श्री कुश कुमार (असिस्टेंट प्रोफेसर), श्री मणिपाल सिंह (असिस्टेंट प्रोफेसर) व श्री श्रवण कुमार गुप्त (असिस्टेंट प्रोफेसर)। हिंदी विभाग के कई पूर्व छात्र/छात्राएं उच्च शिक्षा विभाग में प्रतिष्ठित पदों पर कार्यरत हैं जैसे :– डॉ०आशा मिश्रा, डॉ०राघवेंद्र मिश्र, डॉ०आरती मिश्रा व डॉ०संतोष द्विवेदी आदि। हिंदी विभाग में 2020 से 2024 तक अनेक छात्र/ छात्राओं ने JRF व NET उत्तीर्ण किया है- [illegible] JRF, [illegible] NET [illegible]

महाविद्यालय का हिंदी विभाग अपने स्वर्णिम अतीत को सहेजे हुए कर्मठ व विद्वान आचार्यों के समर्पित अध्यापन एवं यशस्वी प्राचार्य प्रो० कौशलेंद्र कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में निरंतर प्रगति के पथ पर गतिमान है।

इतिहास विभाग

महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही स्नातक स्तर पर इतिहास विषय का पठन–पाठन शुरू हुआ जो लगातार सुचारू रूप से चलता रहा है। वर्तमान में श्री कृष्ण लाल जी अतिथि प्रवक्ता, विभागीय प्रभारी के रूप में अपनी सेवायें दे रहें।

DEPARTMENT OF COMMERCE
(Self-Finance)

The Department of Commerce (Self-Finance) was established in the year 2023 with the introduction of the Bachelor of Commerce (B.Com) program. The department is dedicated to providing quality education in commerce and business studies, equipping students with the necessary knowledge and skills for the corporate world.

At present, the department is led by two dynamic and dedicated Assistant Professors, Mr. Japneet Singh and Mr. Amit Kumar. Mr. Japneet Singh specializes in Accounting and Finance, while Mr. Amit Kumar focuses on Business Management and Economics.

The department aims to cultivate a strong foundation in commerce, instilling analytical and managerial skills in students. Through interactive learning, practical applications, and industry-oriented knowledge, we strive to prepare students for careers in business, finance, and entrepreneurship. Our goal is to develop competent professionals who can contribute effectively to the ever-evolving world of commerce.

DEPARTMENT OF MANAGEMENT
(BBA – SELF-FINANCE)

With the establishment of the BBA program in 2023, the Department of Management (Self-Finance) was introduced to provide students with a comprehensive understanding of business administration, leadership, and entrepreneurship. The department is committed to nurturing future business leaders by equipping them with the knowledge and skills required to excel in the corporate world.

At present, Miss Sweta Dubey and Mr. Pushpendra Kumar are serving as Assistant Professors in the department. Miss Sweta Dubey specializes in Cost and Management Accounting and Financial Management , while Mr. Pushpendra Kumar focuses on Marketing Management and Organizational Behaviour.

The department aims to foster critical thinking, problem-solving abilities, and leadership qualities among students. Our objective is to prepare students for dynamic careers in management, entrepreneurship, and corporate strategy by providing them with practical insights and industry exposure. Through interactive sessions, case studies, and experiential learning, we encourage students to develop innovative ideas and managerial excellence.

गैर शैक्षणिक कार्यक्रम–

Sports
NCC
NSS
ROVERS / RANGERS
सेमिनार/प्रतियोगिता

कार्यक्रम एवं सुविधाएं –

खेल शारीरिक एवं मानसिक उन्नति के लिए एक आवश्यक पाठ्यक्रम है। प्रदेश एवं केन्द्र की सरकार ने भी खेल को अपने शीर्ष प्राथमिकता में स्थान दिया है। सी.एस.एन.पी.जी. कॉलेज में भी राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले खेल आयोजित किए जाते हैं।

* महाविद्यालय में प्रतिवर्ष महाविद्यालय के संस्थापक बाबूजी मोहनलाल वर्मा के जन्म दिवस 12 अक्टूबर से वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।
* महाविद्यालय में बाबू जी की पुण्यतिथि 09 जनवरी से खेल प्रतियोगिताएं (मुख्यतः क्रिकेट, खो–खो) आयोजित की जाती है।

सुविधाएं–

* महाविद्यालय में जिले का सबसे बड़ा क्रीड़ा मैदान है
* महाविद्यालय में क्रिकेट हेतु मैदान उपलब्ध है।
* एथलेटिक्स हेतु भी महाविद्यालय में पर्याप्त मैदान उपलब्ध है।
* खो–खो एवं कबड्डी ट्रैक।
* बालीवाल एवं बास्केटबाल फील्ड/कोर्ट ।
* बैडमिन्टन फील्ड/कोर्ट ।
* टेबल टेनिस कोर्ट आदि ।
* इनडोर गेम्स (शतरंज, कैरम, आदि) की भी पर्याप्त सुविधा उपलब्ध है।
* विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु खेल अकादमी की उपलब्धता भी है।
* महाविद्यालय के विद्यार्थियों को समय–समय पर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित खेलों में प्रतिभाग करने की सुविधा उपलब्ध है।
* महाविद्यालय से चयनित खिलाड़ी को जिला स्थित स्टेडियम में खेलने की सुविधा।
* समय–समय पर खेल विशेषज्ञों द्वारा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन की भी सुविधा।

क्रीड़ा विभाग – प्रभारी

श्री राकेश सिंह
असिस्टेण्ट प्रोफेसर
भूगोल विभाग

रोवर्स/रेन्जर्स –

महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को सामाजिक उत्तरदायित्व की समझ, विपरीत परिस्थितियों में कार्य करना, जनजागरूकता, राष्ट्र के प्रति संवेदनशील, धर्म, जाति, वर्ग लिंग के परे होकर सेवा प्रदान करने की भावना जागृत करने के लिए रोवर्स/रेंजर्स इकाई की स्थापना की गई है। प्रति वर्ष विशेष कैम्प लगाकर विद्यार्थियों को रोवर्स/रेंजर्स का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षणोपरान्त रोवर्स/रेंजर्स का सर्टिफिकेट दिया जाता है। महाविद्यालय में 2 यूनिट रोवर्स एवं 2 यूनिट रेंजर्स का गठन है।

रेंजर्स प्रभारी– डॉ0 पी0आर0 गंगवार
अहसिस्टेण्ट प्रोफेसर
भूगोल विभाग

रोवर्स प्रभारी– श्री वीर पाल
असिस्टेण्ट प्रोफेसर
शिक्षाशास्त्र विभाग

रोवर्स/रेंजर्स नवयुवकों के लिए एक स्वयं सेवी, गैर–राजनीतिक शैक्षिक आन्दोलन है जो प्रत्येक व्यक्ति के लिए बिना किसी जाति, वंश तथा धर्म के भेद–भाव के खुला है। यह 1907 में संस्थापक लार्ड बैडेन पावेल द्वारा संचालित किये गये लक्ष्य सिद्धांत तथा पद्धति के अनुरूप है।

रोवर्स/रेंजर्स का दूसरे के प्रति कर्तव्यः– स्थानीय राष्ट्रीय, तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शान्ति, समझ और सहयोग की भावना से समन्वय रखते हुए अपने देश के प्रति वफादार होना।

अपने साथियों की गरिमा तथा विश्व प्रति की अखण्डता के लिए अभिज्ञान तथा सम्मान के साथ समाज के विकास के भाग लेना।

उद्देश्य– रोवर्स/रेंजर्स आन्दोलन का उद्देश्य नवयुवकों के विकास में इस तरह योगदान करना है जिससे उनकी पूर्ण शारीरिक,भौतिक, सामाजिक, अध्यात्मिक तथा सांवेगिक अन्तः शक्ति को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार नागरिकों के रूप में यथा स्थानीय, राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय समुदायों के रूप में प्राप्त किया जा सके।

NCC

- **National Cadet Corps-**

NCC was first by started in 1666 in Germany The NCC in India was raised on 15 July 1948 under the National Cadet Corps Act 1948. It can be traced back to the "University Corps" Which was created under Indian Defense Act 1917, with the objective to make up for the shortage in the Army. Today the NCC has an enrolled Strength of more than 13.5 lakh's cadet and it basically comprises of two divisions of all the three services ie the Senior Division (SD) for boys and Senior Wing (SW) for girls.

- **Motto of NCC**

Unity and Discipline **(एकता और अनुशासन)**
four cardinal principals of discipline-
01-obey with a smile 02- be Punctual
03-work hard and without fears
04-make no excuses and tell no lies

- **Aim of NCC**

1- To develop qualities of development of character, comradeship, discipline, secular outlook, sprit of Adventure, sportsmanship, ideals of selfless services among the youth of the country.
2- To create human resources of organized, trained and motivated youth, to provide leadership in all walks of life and always be available for the service of Nation.
3- To provide a suitable environment to motivate the youth to take up a career in the Armed Forces.

- **NCC in CSN college**

The NCC Unit in CSN College Hardoi was started in 1972. College NCC sanctioned by 63 UP Battalion NCC Lucknow University, Lucknow with 55 cadet strength (SD and SW).

- **Associated NCC Officer (ANO) in CSN**

Lt. Amit Kumar
Assistant Professor & ANO
Deptt. of Geography
Mobile. 8077140017

प्रवेश समिति :–

महाविद्यालय में सत्र 2025–26 की प्रवेश परीक्षा, काउन्सिलिंग, विषय का आवण्टन, प्रवेश प्रक्रिया, महाविद्यालय की प्रवेश समिति के माध्यम से होगा। प्राचार्य की अध्यक्षता में प्रवेश समिति द्वारा प्रवेश सम्बंधी लिये गये निर्णय, प्रवेशार्थी के लिए मान्य होगा। प्रवेश पर अन्तिम निर्णय लेने का अधिकार कॉलेज प्राचार्य का होगा। जो सभी को मान्य होगा।

01– प्रोफेसर कौशलेन्द्र कुमार सिंह प्राचार्य	अध्यक्ष
02– श्रीमती सरिता वर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संयोजक
03– श्री ईश्वर दीन असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल	सह–संयोजक
04– श्री मणिपाल सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर हिन्दी	सदस्य
05– श्री श्रवण कुमार गुप्त असिस्टेन्ट प्रोफेसर हिन्दी	सदस्य
06– श्री विनय शील असिस्टेन्ट प्रोफेसर समाजशास्त्र	सदस्य
07– श्री वीर पाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर शिक्षाशास्त्र	सदस्य
08– सुश्री शैवाल कनौजिया असिस्टेन्ट प्रोफेसर अंग्रेजी	सदस्य
09– श्री गोविन्द सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर अर्थशास्त्र	सदस्य
10– श्री जपनीत सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर बी0कॉम0	सदस्य

अनुशास्ता मण्डल

01–	डॉ0 पुष्पारानी गंगवार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल,	चीफ् प्राक्टर
02–	डॉ0 शिवेन्द्र सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर अर्थशास्त्र,	सह–प्राक्टर
03–	श्री राकेश सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल,	सह–प्राक्टर
04–	डॉ0 दीपक कुमार राय असिस्टेन्ट प्रोफेसर हिन्दी	सहायक–प्राक्टर
05–	श्री श्रवण कुमार गुप्त असिस्टेन्ट प्रोफेसर हिन्दी	सहायक–प्राक्टर
06–	श्रीमती सरिता वर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर समाजशास्त्र,	सहायक–प्राक्टर
07–	श्री राम उग्र असिस्टेन्ट प्रोफेसर शिक्षाशास्त्र,	सहायक–प्राक्टर
08–	श्रीमती प्रिया शर्मा असिस्टेन्ट प्रोफेसर अंग्रेजी,	सहायक–प्राक्टर
09–	श्री मिथिलेश कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान	सहायक–प्राक्टर
10–	श्री गोविन्द सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर अर्थशास्त्र	सहायक–प्राक्टर
11–	श्री सचिन सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर अर्थशास्त्र	सहायक–प्राक्टर
12–	श्री जपनीत सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर बी.कॉम.	सहायक–प्राक्टर

क्रीड़ा परिषद

01–	डॉ0 कौशलेन्द्र कुमार सिंह, प्राचार्य,	संरक्षक
02–	डॉ0 पुष्पारानी गंगवार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल,	अध्यक्ष
03–	श्री जितेन्द्र सिंह चौहान असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल,	उपाध्यक्ष
04–	श्री राकेश सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल,	सचिव
05–	श्री राम उग्र असिस्टेन्ट प्रोफेसर शिक्षाशास्त्र,	सह–सचिव
06–	श्री अमित कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल	सदस्य
07–	श्री अजय कुमार शुक्ला असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल,	सदस्य
08–	श्री ईश्वरदीन असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल,	सदस्य
09–	डॉ0 रजनीश कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल,	सदस्य
10–	श्री वीर पाल असिस्टेन्ट प्रोफेसर शिक्षाशास्त्र	सदस्य
11–	श्रीमती प्रिया शर्मा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर अंग्रेजी	सदस्य
12–	श्री गोविन्द सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर अर्थशास्त्र	सदस्य
13–	डॉ0 अखिलेश कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान	सदस्य

छात्र कल्याण समिति

01–	श्री राकेश कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल,	अधिष्ठाता
02–	डॉ0 किशोरी लाल सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर संस्कृत,	सदस्य
03–	श्री ईश्वर दीन, असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल,	सदस्य
04–	श्री सचिन सिंह असिस्टेन्ट प्रोफेसर अर्थशास्त्र,	सदस्य

पुस्तकालय समिति

01—	सुश्री शैवाल कनौजिया, असिस्टेन्ट प्रोफेसर अंग्रेजी	प्रोफेसर इन्चार्ज लाइब्रेरी
02—	श्रीमती प्रिया शर्मा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर अंग्रेजी	सहायक इन्चार्ज लाइब्रेरी
03—	डॉ0 किशोरी लाल सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर संस्कृत,	सदस्य
04—	श्री अजय कुमार शुक्ला, असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल	सदस्य
05—	डॉ0 रजनीश कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल	सदस्य
06—	डॉ0 अखिलेश कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान	सदस्य
07—	श्री अमित कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर अर्थशास्त्र,	सदस्य
08—	मो0 सलीम, असिस्टेन्ट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान	सदस्य
09—	सुश्री श्वेता दूबे, असिस्टेन्ट प्रोफेसर बी0बी0ए0	सदस्य

सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति

01–	डॉ0 दीपक कुमार राय, असिस्टेन्ट प्रोफेसर हिन्दी,	संयोजक
02–	श्री वीर पाल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर हिन्दी,	सह–संयोजक
03–	श्री मणिपाल सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर हिन्दी,	सदस्य
04–	श्रीमती सरिता वर्मा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर समाजशास्त्र	सदस्य
05–	श्री अजय कुमार शुक्ला, असिस्टेन्ट प्रोफेसर भूगोल	सदस्य
06–	सुश्री शैवाल कनौजिया असिस्टेन्ट प्रोफेसर अंग्रेजी	सदस्य
07–	श्रीमती प्रिया शर्मा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर अंग्रेजी	सदस्य
08–	डॉ0 मिथलेश कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान	सदस्य
09–	मो0 सलीम, असिस्टेन्ट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान	सदस्य
10–	सुश्री श्वेता दूबे, असिस्टेन्ट प्रोफेसर बी0बी0ए0	सदस्य

महाविद्यालय के प्राचार्य एवं प्राध्यापक

महाविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारी

सी.एस.एन. पी.जी. कालेज, हरदोई के शिक्षणेत्तर कर्मचारी

सुश्री रागिनी सिंह,
कार्यवाहक कार्यालय अधीक्षक

श्री राम लड़ैते वर्मा
वरिष्ठ लिपिक

श्री माया प्रकाश
वरिष्ठ लिपिक

श्री आशुतोष सिंह
लिपिक

श्री अनिल कुमार गुप्ता
पुस्तकालय–लिपिक

श्री सन्तोष कुमार
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

श्री अनंगपाल यादव
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

श्री अरविन्द कुमार सिंह
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

श्री रावेन्द्र कुमार
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

श्री विवेक कुमार
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

महाविद्यालय में स्थापित महान विभूतियों की प्रतिमाएं

संस्थापक स्व0 बाबू मोहन लाल वर्मा

बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर

अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद

टैबलेट एवं स्मार्ट फोन वितरण कार्यक्रम

महाविद्यालय के अन्य कार्यक्रम

युवा महोत्सव–2024

केन सोसायटीज नेहरू पी.जी. कॉलेज, हरदोई

युवा
महाकुंभ

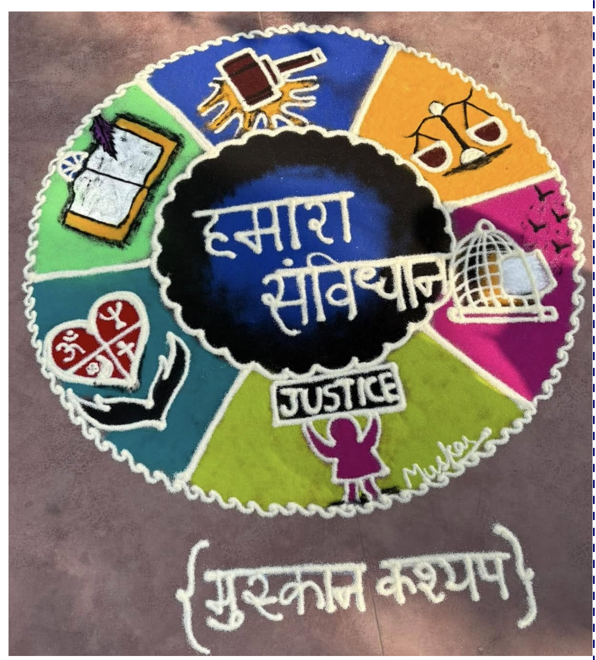
हमारा
संविधान
JUSTICE
{मुस्कान कश्यप}

FUNDAMENTALRIGHTS
LIBERTY
JUSTICE
FREEDOM
FRATERNITY
UNITY
NATCONAL CONSTITUTION DAY...
FUNDAMENTAL RIGHTS.

अतिथि गृह
realme C55
अनमोल | 2024.10.08 10:50

District Cricket Association
Babu Mohan Lal Verma Memorial
Inter District Cricket Tournament U-19
20 February 2025 to 24 February 2025
CHIEF GUEST
Dr. D.S. Chauhan
Late Babu Mohan Lal Verma

केन सोसायटीज़ नेहरू पी.जी.कॉलेज, हरदोई
गायन प्रतियोगिता

केन सोसायटीज़ नेहरू पी.जी. कॉलेज, हरदोई
युवा महाकुंभ
भव्य शुभारम्भ
श्री अरुण सिंह
श्री संजय राय

'मास कम्यूनिकेशन एवं रेडियो' - विशेष कार्यशाला
सी.एस.एन. पी.जी. कॉलेज व रेडियो जागो 90.4 FM, हरदोई
(सुनो दिल से)
का संयुक्त प्रयास
दिनांक : 09, 10 व 11 सितम्बर 2024
समय दोपहर 12 से 3 बजे
स्थान : रेडियो जागो स्टूडियो, स्टेशन रोड हरदोई
उद्घाटन
समापन
श्री नीरज कुमार जादौन आई.पी.एस.
पुलिस अधीक्षक, हरदोई
आमंत्रित वक्ता
प्रो. सौरभ मालवीय
पत्रकारिता विभाग
लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
प्रो. ओ.पी. मिश्रा
सेवानिवृत्त प्राचार्य
अभय शंकर गौड़
आयोजक
90.4 FM

एन.सी.सी कार्यक्रम एवं परेड

प्रत्येक वर्ष महाविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट को चयन आर्मी,उ0प्र0 पुलिस, एस.एस.सी. जी.डी आदि में होता है।

एन.एस.एस. कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

राष्ट्रीय सेवा योजना भारत सरकार का लोक सेवा कार्यक्रम है जो कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित होता है इसकी शुरूआत गांधी जी की शताब्दी वर्ष 1969 में हुई।

उद्देश्य– मैं नहीं आप **Not me but you**

NSS- in CSN. P.G. College

हरदोई में एक इकाई (100) स्वयं सेवक की संचालित है इच्छुक छात्र/छात्राएं इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। स्वयं सेवकों NSS का आवंटन आरक्षण के नियमों के अनुसार किया जाता हैं।

सी.एस.एन. पी.जी. कालेज, हरदोई की एन.एस.एस. इकाई द्वारा समय–समय पर एक दिवसीय एव 07 दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है एक दिवसीय कार्यक्रम की एक झलक :–

जितेन्द्र सिंह चौहान
असिस्टेण्ट प्रोफेसर/प्रभारी NSS

राष्ट्रीय सेवा योजना
सहयुक्त : लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ
दिवसीय विशेष शिविर
18.03.2025 से 24.03.2025 तक

सी.एस.एन.पी.जी.कालेज हरदोई
सहयुक्त-लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ
राष्ट्रीय सेवा योजना
सहयुक्त : लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ
सात दिवसीय विशेष शिवि
दिनांक - 18.03.2025 से 24.03.2025 तक

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना
सात दिवसीय विशेष शिविर
GPS Map Camera
Hardoi, Uttar Prade...
94pp+4hp, Lucknow Rd, Near Atul Petrol Pump,
Industrial Area, Hardoi, Uttar Pradesh 241001, India
Lat 27.385573° Long 80.136655°
20/03/2025 11:33 AM GMT +05:30
Google

महिलाओं को निडर होकर लक्ष्य प्राप्त करना चाहिए : रजनी

युवाओं से ही होगा विकसित भारत का निर्माण, युवा महाकुंभ के समापन पर विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

संवाद न्यूज एजेंसी

विजेताओं के साथ मौजूद उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी और सांसद जय प्रकाश रावत व प्रचार्य सहित अन्य।। संवाद

कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व छात्र-छात्राएं। संवाद

हरदोई। सीएसएन महाविद्यालय के युवा महाकुंभ पर आयोजित हुई सांस्कृतिक व खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को समापन दिवस पर पुरस्कृत किया गया। प्रदेश की उच्च शिक्षा मंत्री ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

उन्होंने कहा कि आज युवाओं को अवसर देने की जरूरत है। विवेकानंद जी ने कहा कि आगे बढ़ो और तब तक बढ़ते रहो जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। उन्होंने छात्राओं को प्रोत्साहित किया और बिना भटके अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

महाविद्यालय के युवा महाकुंभ के समापन कार्यक्रम की शुरुआत उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी और सांसद जय प्रकाश रावत ने माता सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्जवलित करके की।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि युवा ही विकसित भारत का निर्माण करेंगे। 2047 तक देश पूर्ण विकसित हो जाएगा, जिसको करने में युवाओं में पूरी क्षमता है। केंद्र सरकार की योजनाओं से युवाओं का बहुमुखी विकास हो रहा है। युवा नौकरी तो करें, लेकिन कई युवा नौकरी करने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले भी बनें।

सांसद जयप्रकाश ने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं का बहुमुखी विकास होता है। महाविद्यालय आज विकास के पथ पर है। उन्होंने यहां अराजकता और अनुशासन दोनों दौर देखे हैं। आज महाविद्यालय अनुशासित और सीमित संसाधन में निखर रहा है। उन्होंने महाविद्यालय में सभागार निर्माण हेतु सांसद निधि से 25 लाख रुपये देने की घोषणा भी की।

प्राचार्य प्रो. कौशलेंद्र कुमार सिंह ने विद्यालय के बारे में जानकारी दी। संचालन डॉ. दीपक कुमार राय ने किया। इस मौके पर डॉ. वीरपाल, डॉ. सरिता वर्मा और शैवाल कनौजिया ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित कराए।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को मिला सम्मान

हरदोई। बीते आठ दिनों से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

गमला प्रदर्शन में श्रुति प्रथम, साक्षी द्वितीय व कावेरी को तृतीय स्थान, बेस्ट ऑफ वेस्ट में भूमिका प्रथम, वरुण द्वितीय व निशांत तृतीय स्थान पर, पोस्टर मेकिंग में शिवांग प्रथम, अखंड प्रताप द्वितीय, भूमिका तृतीय स्थान पर, समूह नृत्य में वसुंधरा एंड ग्रुप प्रथम, इशिता एंड ग्रुप को द्वितीय व वरुण एंड टीम को तृतीय स्थान मिला। एकल नृत्य में सूरज प्रथम, अंशिका द्वितीय, नव्या तृतीय और वसुंधरा व साक्षी को सांत्वना पुरस्कार।

गायन में शक्ति प्रथम, हर्ष द्वितीय, रोहिणी तृतीय स्थान पर, काव्य पाठ में अनमोल प्रथम, शिल्पी द्वितीय व आदर्श तृतीय, निबंध लेखन में साक्षी प्रथम, वरुण द्वितीय, साक्षी तृतीय और निशा व नव्या को सांत्वना पुरस्कार मिला।

वाद विवाद में निशा प्रथम, वैभव द्वितीय, स्नेहा तृतीय और तृषा शुक्ला को सांत्वना पुरस्कार, भाषण प्रतियोगिता में निशा प्रथम, अनुभव द्वितीय, सृष्टि तृतीय व शिवांश को सांत्वना पुरस्कार, मेहंदी सजाओ में शैली प्रथम, सूरज द्वितीय, अर्पिता तृतीय व दिव्यांशी मिश्रा को सांत्वना पुरस्कार, कलश सज्जा में साक्षी एंड ग्रुप प्रथम, दीक्षा एंड ग्रुप द्वितीय, सूरज एंड ग्रुप को तृतीय स्थान और रंगोली में श्वेता प्रथम, मुस्कान द्वितीय, सिमरन तृतीय और तनु, आस्था व शीतल को सांत्वना पुरस्कार मिला। (संवाद)

यूजीसी नेट-जेआरएफ की परीक्षा में महाविद्यालय के 17 मेधावी सफल

उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं का प्राचार्य ने मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया

संवाद न्यूज एजेंसी

विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर खुशी मनाते प्राचार्य कौशलेंद्र प्रताप सिंह। संवाद

हरदोई। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के माध्यम से आयोजित यूजीसी-नेट और जेआरएफ की अगस्त में आयोजित परीक्षा में सीएसएन महाविद्यालय के 17 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की।

परीक्षा परिणाम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों के सफल होने पर प्राचार्य ने भी खुशी व्यक्त की। प्राचार्य ने सभी छात्र-छात्राओं को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया और उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया।

यूजीसी-नेट और जेआरएफ की परीक्षा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने अगस्त माह में परीक्षा आयोजित की थी। एनटीए ने बृहस्पतिवार को परीक्षा का परिणाम घोषित किया। इसमें सीएसएन महाविद्यालय के तीन परीक्षार्थी जेआरएफ में और नेट में 14 परीक्षार्थी सफल हुए।

हिंदी विषय में चार छात्राएं पल्लवी शुक्ला ने जेआरएफ, प्रिया गुप्ता, नेहा त्रिवेदी व अंजलि सिंह ने नेट में सफलता पाई।

राजनीति विज्ञान के छह विद्यार्थियों में हरदीप व भोला वर्मा ने जेआरएफ, यामिनी वर्मा, कुलदीप, अभय सिंह व सौम्या शर्मा ने नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की। भूगोल में कुल पांच छात्र-छात्राओं में शीतल रस्तोगी, अनुज राठौर, पूनम देवी, हर्ष गुप्ता व आशीष कुमार ने नेट में सफलता पाई। अर्थशास्त्र में गुरमीत सिंह व संस्कृत में मानवी ने नेट की परीक्षा पास की।

17 मेधावियों के परीक्षा में महाविद्यालय का परचम लहराने पर प्राचार्य प्रो. कौशलेंद्र कुमार सिंह ने मिष्ठान खिलाकर शुभकामनाएं दीं और कहा कि इन्होंने महाविद्यालय का नाम पूरे प्रदेश में रोशन किया है।

इस मौके प्रो. पुष्पा रानी गंगवार, प्रो. साधना शुक्ला, जेएस चौहान, अमित कुमार, डॉ. दीपक कुमार राय, कुश कुमार मिश्रा, मणिपाल सिंह, श्रवण गुप्ता, डॉ. शिवेंद्र सिंह, अजय शुक्ला व वीरपाल ने विद्यार्थियों की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

जलवायु परिवर्तन कृषि को हानिकारक

17/11/2024

शनिवार को सीएसएन पीजी कॉलेज में सम्बोधित करते आचार्य।

हरदोई। जलवायु परिवर्तन कृषि के लिए हानिकारक है। यह बात डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्रत् विभाग के प्रो. अंबिका प्रसाद तिवारी ने कही। सीएसएन महाविद्यालय में युवा महोत्सव के अंतर्गत राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित स्व. सुमित्रा सिंह स्मृति तृतीय व्याख्यान में भारतीय कृषि सुधारो की राजनीतिक अर्थव्यवस्था विषय पर संबोधित कर रहे थे। अतिथियों का स्वागत डॉ. मिथिलेश सिंह, संचालन साक्षी सिंह, आभार प्रदर्शन डॉ अखिलेश कुमार व अध्यक्षता प्राचार्य प्रो के. के. सिंह ने की। इस मौके पर प्रो.बीडी शुक्ला, प्रो नरेश शुक्ला, प्रो एस. के. सिंह आदि रहे।

© 2024 All Rights Reserved. Powered by *Summit*
डिस्क्लेमर: इस वेबसाइट पर मौजूद सामग्री का कॉपीराइट हिन्दुस्तान डिजिटल स्ट्रीम्स (HTDS) के पास है। अखबार के डिजिटल वर्जन : Read More

आरएम स्पोर्टिंग क्लब ने जीता मैच, एसपी ने किया पुरस्कृत

पुलिस अधीक्षक ने युवाओं को दिए सफलता के मंत्र

संवाद न्यूज एजेंसी

विजेता टीम के साथ मौजूद एसपी नीरज कुमार जादौन साथ में शिक्षक। संवाद

हरदोई। सीएसएन पीजी महाविद्यालय के युवा महोत्सव में बृहस्पतिवार को क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच हुआ। आरएम स्पोर्टिंग क्लब और हरदोई चैलेंजर के बीच प्रतियोगिता का अंतिम मैच हुआ। मैच में दोनों टीमों ने काफी बेहतर प्रदर्शन किया।

इसमें आरएम स्पोर्टिंग क्लब ने टूर्नामेंट जीत लिया। विजेता और उपविजेता टीम को पुलिस अधीक्षक ने पुरस्कृत किया। उन्होंने युवाओं को कई उदाहरण देकर सफलता के मंत्र दिए। युवाओं को अपने लक्ष्य को सेट करने और उसके अनुसार ही कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

बाबू मोहनलाल वर्मा क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच आरएम स्पोर्टिंग क्लब व हरदोई चैलेंजर के बीच हुआ। टॉस जीतकर आरएम स्पोर्टिंग क्लब ने पहले गेंदबाजी की।

बल्लेबाजी करने आई हरदोई चैलेंजर की टीम ने निर्धारित 12 ओवर में 9 विकेट खोकर 75 रन बनाए। जवाब में बल्लेबाजी करने आई आरएम स्पोर्टिंग क्लब की टीम ने 11.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर 3 विकेट से मैच जीत लिया।

मैन ऑफ द मैच 21 रन देकर 3 विकेट लेने वाले गौरव को दिया गया। मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार हरदोई चैलेंजर के अमित को मिला। उन्होंने में प्रतियोगिता में 57 रन व 9 विकेट भी लिए। प्रतियोगिता के समापन पर मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

दीप प्रज्वलन के बाद उन्होंने युवाओं से कहा कि जीवन में सफल होने के लिए लक्ष्य के प्रति भूख होनी चाहिए। सफल होने के लिए अधिक से अधिक किताबों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्या कौशलेंद्र कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि प्रभात वर्मा को पुष्प गुच्छ, शॉल व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मंच संचालन दीपक राय और वीरपाल ने किया।

आभार क्रीडा प्रभारी राकेश सिंह ने व्यक्त किया। अंपायरिंग रजनीश कुमार, राकेश सिंह, गोविंद सिंह ने निभाई। कॉमेंट्री श्रेयश शुक्ला, राम जी कश्यप ने की। स्कोरिंग अक्षय द्विवेदी व आनंद कुमार की।

युवा Youth

वालीबॉल में मलिहामऊ, कबड्डी में सीएसएन ने जीता फाइनल

सीएसएन ने वाराणसी से आई टीम को पछाड़ा, प्रतियोगिता में मैचों का दर्शकों ने लिया लुत्फ

वालीबॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी। संवाद

कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करतीं खिलाड़ी। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

हरदोई। सीएसएन महाविद्यालय में युवा महोत्सव के मौके पर खेल प्रतियोगिताओं में शुक्रवार को एथलेटिक्स में वालीबॉल और कबड्डी की प्रतियोगिता हुई।

वालीबॉल और कबड्डी के फाइनल मैच में हरदोई की टीमों का दबदबा रहा। कबड्डी में सीएसएन के खिलाड़ियों ने वाराणसी की टीम को हराकर प्रतियोगिता जीती। बाबू मोहनलाल वर्मा क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत भी तीन मैच खेले गए। दर्शकों ने मैचों का आनंद लिया।

युवा महोत्सव में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में वालीबॉल का फाइनल मैच हुआ। खेल प्रभारी रजनीश कुमार ने बताया कि फाइनल मलिहामऊ और पाइका क्लब हरदोई के बीच हुआ।

इसमें मलिहामऊ के खिलाड़ियों ने फाइनल जीतकर ट्रॉफी पर कब्जा किया। निर्णायक मनोज पांडे, दीपक राणा, हंसराज कुशवाहा व हबीबुल्ला रहे। कबड्डी का फाइनल बालक वर्ग में सीएसएन और वाराणसी की टीम के बीच हुआ। इसमें सीएसएन ने वाराणसी की टीम को पछाड़ प्रतियोगिता जीत ली। बालिका वर्ग में टड़ियावां विजेता और कैंब्रिज स्कूल की टीम उप विजेता रही। निर्णायकों में आकाश अस्थाना, मनोज पांडे, आशुतोष अस्थाना व उमाशंकर रहे। क्रिकेट प्रतियोगिता में आरएम स्पोर्टिंग क्लब व राइजिंग स्टार हरदोई के बीच मैच खेला गया।

राइजिंग स्टार हरदोई ने टॉस जीतकर गेंदबाजी की। आरएम स्पोर्टिंग क्लब ने 70 रन बनाए। राइजिंग स्टार 68 रन ही बना सकी और हार गई। मैन ऑफ द मैच गौरव यादव को दिया गया।

इलेवन व बहलौली सुपरकिंग के बीच फिट इलेवन टीम ने आठ रन से जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच मोनू को मिला। तीसरा मैच विलेज इलेवन व आशा नगर स्पोर्टिंग क्लब के बीच हुआ। बल्लेबाजी करते हुए विलेज इलेवन 10 ओवर में छह विकेट खोकर 104 रन बनाए।

आशा नगर स्पोर्टिंग क्लब ने 95 रन ही बना सकी। मैन ऑफ द मैच शिवा को दिया गया। अंपायरिंग कुश कुमार, राकेश सिंह, गोविंद सिंह, मिथिलेश सिंह, श्रवण गुप्ता ने की। कॉमेंट्री राहुल वर्मा व स्कोरिंग अजीत कुमार, राम जी कश्यप व आनंद कुमार ने की।

वेणी माधव ने 54 रन से फाइनल जीता

सीएसएन की टीम को दी करारी शिकस्त, बालक वर्ग की जारी हैं क्रिकेट प्रतियोगिताएं

संवाद न्यूज एजेंसी

मैच में के दौरान शॉट लगाती खिलाड़ी। संवाद

सीएसएन कॉलेज में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगित में वूमेन ऑफ द मैच की विजेता खिलाड़ी मैविष। स्रोत: आयोजक

हरदोई। सीएसएन महाविद्यालय के युवा महोत्सव के अंतर्गत बाबू मोहन लाल वर्मा क्रिकेट प्रतियोगिता में रविवार को तीन मैच खेले गए।

क्रिकेट प्रतियोगिता में बालिकाओं का फाइनल और बालक वर्ग में लीग मैच खेले गए। फाइनल में वेणी माधव विद्यापीठ की टीम ने सीएसएन के खिलाड़ियों को करारी शिकस्त दी। विजेता टीम को प्रतियोगिता के समापन पर पुरस्कृत किया जाएगा।

महाविद्यालय में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में खिताबी मैच बालिका वर्ग से सीएसएन ब्लास्टर और श्री वेणी माधव विद्यापीठ के बीच हुआ। टॉस जीतकर वेणी माधव स्कूल की टीम ने बैटिंग की और निर्धारित आठ ओवठों में एक विकेट खोकर 96 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसएन ब्लास्टर की टीम तीन विकेट पर 42 ही बना सकी। वेणी माधव स्कूल की टीम ने 54 रनों से फाइनल जीत लिया। वूमेन ऑफ द मैच ने 32 रन की नाबाद पारी खेली व एक विकेट लेने पर मैविष को दिया गया।

बालक वर्ग के लीग मैच में पहला मैच तिलकपूर्वा इलेवन और टीम सम्राट के बीच हुआ। टॉस जीतकर टीम सम्राट ने बैटिंग करते हुए निर्धारित 10 ओवरों में छह विकेट पर 61 रन बनाए। जवाब में तिलकपुरवा ने 8.2 ओवरों में पांच विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त कर लिया। मैन ऑफ द मैच दो विकेट लेने पर निहाल को दिया गया। दूसरा मैच हरदोई क्रिकेट क्लब व लीजेंड एंड यंग स्टार इलेवन के बीच हुआ। टॉस जीतकर हरदोई क्रिकेट क्लब ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में सात विकेट खोकर 106 रन बनाए।

लीजेंड एंड यंग स्टार इलेवन की टीम ने 33 रनों पर आठ विकेट खो दिए और अपनी हार स्वीकार कर ली। हरदोई क्रिकेट क्लब के गेंदबाज अनमोल सिंह ने तीन ओवरों में 13 रन देकर पांच विकेट लिए, जिससे उन्हें मैन ऑफ द मैच और 500 रुपए सम्मान राशि दी गई। अंपायरिंग कुश कुमार, राकेश सिंह, मिथिलेश सिंह, मणिपाल सिंह, वीरपाल जी, आनंद कुमार ने निभाई। कॉमेंट्री राहुल वर्मा व श्रेयश शुक्ला ने की। स्कोरिंग अजीत कुमार, अक्षय द्विवेदी व आनंद कुमार ने की।

बाबू मोहन लाल वर्मा स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट

फाइनल में हरदोई ने शाहजहांपुर को 36 रन से धोया

स्वदेश समाचार ■ हरदोई

बाबू मोहनलाल स्मृति अंडर-19 क्रिकेट प्रतियोगिता का केन सोसायटीज नेहरू पीजी कॉलेज में सोमवार को समापन हुआ। 05 दिवसीय टूर्नामेंट के फाइनल मैच में हरदोई इलेवन ने शाहजहांपुर को पटखनी दे चैंपियन ट्रॉफी उठाई। शाहजहांपुर कप्तान आकर्षित का टॉस जीत लिया क्षेत्ररक्षण का निर्णय गलत साबित हुआ। पूर्व प्राचार्य प्रो. नरेश शुक्ला, प्रो. अखिलेश बाजपेई, यूपीसीए के अपेक्स काउंसिल के सदस्य मोहनलाल अग्रवाल, रामपुर जिला क्रिकेट क्रिकेट एसोसिएशन सचिव बसंत सिंह बघेल, अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) नृपेंद्र कुमार, डिप्टी एसपी सिटी अंकित मिश्रा, इंस्पेक्टर शिरीष शर्मा, पूर्व विधायक वीरेंद्र वर्मा, अभय शंकर गौड़, पारुल दीक्षित, एडवोकेट सुरेश वर्मा, अतुल मिश्रा, विशाल यादव, प्रो. पुष्पा रानी गंगवार, जेएस चौहान, रागिनी सिंह सहित महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं व नगर के क्रिकेट प्रेमी उपस्थित रहे।

हरफनमौला विशाल राज को मैन ऑफ द फाइनल, मैन ऑफ द सीरीज

पूर्व डीजीपी डॉ. डीएस चौहान ने सौंपा विनर को 21, रनर को 11 हजार का चेक

फाइनल मुकाबले का शुभारंभ पूर्व महानिदेशक उत्तर प्रदेश पुलिस और डायरेक्टर उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन डॉ. डीएस चौहान ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर किया। डॉ. चौहान ने कहा, खेल में खेल भावना ही विजेता होती है। कठिन संघर्ष, त्याग और समर्पण से सामान्य परिस्थितियों में पले बढ़े सचिन तेंदुलकर और महेंद्र सिंह धोनी के जीवन से प्रेरणा ली जा सकती है। कहा, नैतिकता और चारित्रिक विकास आवश्यक है, जिससे समाज और देश की उन्नति संभव है। कार्यक्रम संयोजक महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर केके सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा, महाविद्यालय संपूर्ण जनपद के छात्र-छात्राओं के शैक्षिक, सांस्कृतिक और शारीरिक विकास की दिशा में निरंतर प्रयत्नशील है। आभार ज्ञापन टूर्नामेंट आयोजक/जनपद क्रिकेट एसोसिएशन अध्यक्ष प्रभात वर्मा तथा संचालन डॉ. दीपक कुमार राय ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. डीएस चौहान ने विजेता

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

सीएसएन के मेधावी नेट परीक्षा में छाए

हरदोई : छात्रों के साथ मौजूद पूर्व डीजीपी डा. डीएस चौहान। फोटो : एसएनबी

कुल 3 मेधावियों ने जेआरएफ व 21 ने नेट में सफलता प्राप्त की

हरदोई (एसएनबी)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा माह में आयोजित देश की प्रतिष्ठित यूजीसी नेट-जेआरएफ परीक्षा में सफल हो सीएसएन के 24 मेधावियों ने परचम लहराया। परीक्षा में विविध विषयों में कुल 3 मेधावियों ने जेआरएफ व 21 ने नेट में सफलता प्राप्त की।

भूगोल में अनुज राठौर, संस्कृत में मानवी व अर्थशास्त्र विषय में गुरमीत सिंह ने जेआरएफ में सफलता प्राप्त की। हिन्दी साहित्य में रजनी देवी, नेहा त्रिवेदी, अंजली सिंह व अर्पित, दीक्षित सहित 4 छात्र-छात्राएं, राजनीति विज्ञान में श्वेता वर्मा, सौम्या शर्मा, कुलदीप सिंह, अभय प्रताप सिंह, सौरभ यादव, मंजुल मिश्रा व संजय कुमार सहित 7 छात्र-छात्राएं, भूगोल में पूनम देवी, सचिन वर्मा, शीतल रस्तोगी, विपिन राठौर, अविनाशी लाल व प्रदीप शर्मा सहित 6 छात्र-छात्राओं ने नेट में सफलता प्राप्त की। समाज शास्त्र में अंशू पाल, मोहित वर्मा व शिखा देवी सहित 3 छात्र-छात्राएं व लोक प्रशासन विषय में हरदीप कुमार ने नेट परीक्षा उत्तीर्ण किया। उक्त परीक्षा में सफल छात्र छात्राओं को पूर्व डीजीपी डा. डीएस चौहान व महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. केके सिंह ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रो. पुष्पा रानी गंगवार, प्रो. साधना शुक्ला, डा. जेएस चौहान, डा. दीपक कुमार राय, डा. कुश कुमार, श्रवण कुमार गुप्ता, डा अखिलेश कुमार, मो. सलीम, डा. गोविन्द सिंह, डा. विनयशील, डा. किशोरीलाल सहित समस्त महाविद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी।

युवा ही करेंगे नवभारत का निर्माण : सांसद

10/11/2024

हरदोई, संवाददाता। सीएसएन महाविद्यालय में शनिवार को सात दिवसीय युवा महाकुंभ समारोह का शुभारंभ भाजपा राष्ट्रीय महासचिव और राज्य सभा सांसद अरुण सिंह ने किया।

मुख्य अतिथि ने कहा कि नव भारत का निर्माण युवा ही करेंगे। भारत सरकार की अनेक स्वदेशी योजनाएं मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया आदि के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बना रही है। विशिष्ट अतिथि

- **सीएसएन कालेज में सात दिवसीय महाकुंभ समारोह शुरू**
- **भाजपा नेताओं ने सरकार की उपलब्धियां गिनाईं**
- **स्वदेशी योजनाओं से युवा बन रहे आत्मनिर्भर**

भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय राय ने युवाओं को विकसित भारत बनाने में अपना महती भूमिका निभाने पर जोर दिया। स्वागत भाषण प्राचार्य प्रोफेसर कौशलेंद्र कुमार सिंह ने दिया। अध्यक्षता पूर्व सांसद व महाधिवक्ता राघवेंद्र सिंह ने किया। कॉलेज के प्रतिभाशाली बच्चों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने मां के नाम आंवला का पवित्र वृक्ष रोपित किया। संचालन डॉक्टर दीपक कुमार राय ने किया। एमएलसी अवनीश कुमार सिंह, विधायक मानवेंद्र सिंह रानू, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमवती वर्मा, जिला अध्यक्ष बब्बन सिंह, पीके

उत्तर प्रदेश **स्वदेश**

युवा महाकुम्भः अरुण सिंह पहली बार हरदोई आए और सिटी के सबसे पुराने सीएसएन डिग्री कॉलेज को 30 लाख दे गए

विकसित भारत 2047 का सपना करेंगे युवा पूरा: भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री

राज्यसभा सदस्य/भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय प्रभारी बोले, संस्कार और संस्कृति ही किसी राष्ट्र और समाज के प्राण

स्वदेश समाचार ■ हरदोई

केन सोसायटीज नेहरू (सीएसएन) पीजी कॉलेज में मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री/राज्यसभा सदस्य अरुण सिंह और कार्यक्रम अध्यक्ष पूर्व सांसद/महाधिवक्ता राघवेन्द्र सिंह ने शनिवार को जनपद स्तरीय युवा महाकुम्भ और युवा महोत्सव का दीप प्रज्वलन किया। विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश महामंत्री/अवध क्षेत्र प्रभारी संजय राय, जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती वर्मा, विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू, एमएलसी इंजी. अवनीश सिंह, प्राचार्य प्रो.कौशलेंद्र कुमार सिंह ने भी हाथ लगाया। दीपक राय ने मंच संचालन किया।

युवा महाकुम्भ के शुभारंभ अवसर के ब्लॉक प्रमुख संघ के प्रदेश अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह 'सेनानी', वरिष्ठ पत्रकार अभय शंकर गौड़, उद्यमी सजीव अग्रवाल 'मुन्ना भैया', भाजपा अनुसूचित मोर्चा अवध क्षेत्र के महामंत्री पीके वर्मा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष कर्मवीर सिंह चौहान, जीडीसी पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष पारुल दीक्षित, सीएसएन पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष विकास सिंह, आरआर कॉलेज की प्रबंधक कीर्ति सिंह, भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष अलका गुप्ता, वरिष्ठ नेता राजा बक्स सिंह, ब्लॉक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष धर्मवीर सिंह 'पन्ने', दीपांशु सोमवंशी, आदर्श दीपक मिश्रा, शोभना सिंह, अजीत प्रताप सिंह आदित्य, जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रभात वर्मा, रजनीश सिंह इटौली सहित बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य साक्षी बने। छात्राओं ने स्वागत गीत और राम को समर्पित गीत पर नृत्य से अतिथियों का स्वागत किया। संस्कृत विद्यालय के चारों ने शंखनाद संग स्वस्तिवाचन किया।

भाजपा राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने मोदी सरकार के काम और मंशा बताई। कहा, देश विकास और सुरक्षा के मोर्चे पर पिछले एक दशक में सफल हुआ है और 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य युवा पूरा करेंगे। कहा, अशुद्ध पानी बीमारियों का प्रमुख कारण है। प्रधानमंत्री ने जल जीवन मिशन से 16 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाया, इसलिए की जिस देश के नागरिक स्वस्थ होते हैं, वही ग्रोथ करता है। लक्ष्य 2027 तक हर घर पाइप से पानी पहुंचाना है। स्वास्थ्य की दिशा में आयुष्मान योजना अद्भुत है, इससे 34 करोड़ लोग अच्छादित हैं। सौर ऊर्जा से लोग आत्मनिर्भर हो रहे हैं। बोले, जब हर घर में नल होगा, छत पर सौर ऊर्जा सिस्टम होगा, सोचिए इससे जुड़े तकनीशियनों की जरूरत होगी, तो बड़ी संख्या में रोजगार सृजित होगा। राज्यसभा सदस्य अरुण सिंह ने कहा, दशक भर पीछे रेल बजट महज 28 हजार करोड़ होता था। आज रेल बजट 02 लाख 52 हजार करोड़ है। बोले, पहले देश दुनिया में भ्रष्टाचार के लिए पहचाना जाता था। लेकिन, प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में आज भारत की साख शिखर पर है। विश्वमंच पर भारत अगली पंक्ति में है।

राजा मांडा, चंद्रशेखर, मुलायम को किया अरुण ने 'स्मरण'

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने केन सोसायटीज नेहरू पीजी कॉलेज के महात्म्य को भी उकेरा। कहा, जानकारी हुई बाबू मोहन लाल वर्मा के स्थापित इस विद्या मंदिर का भूमि पूजन पूर्व राष्ट्रपति वीवी गिरि ने किया था। विश्वनाथ प्रताप सिंह, चंद्रशेखर और मुलायम सिंह यादव जैसी विभूतियां इस कैम्पस में आ चुकी हैं। ऐसे परिसर में विशेष अवसर पर आना सौभाग्य की बात है। हालांकि, सीएसएन कॉलेज मैदान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 मौकों पर आ चुके हैं, पर ये बात अरुण सिंह से या तो विस्मृत हुई या फिर उन्हें अपडेट नहीं किया गया होगा। बहरहाल, उन्होंने कॉलेज को 'चमाचम' करने के लिए अपनी सांसद निधि से 30 लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा की। कहा, जनवरी में राशि कॉलेज को हस्तांतरित हो जाएगी।

प्राचार्य बोले, अवनीशजी आप से 30 लाख नहीं, हॉल लेंगे

सांसद अरुण सिंह की घोषणा के बाद सीएसएन कॉलेज के प्राचार्य प्रो.कौशलेंद्र कुमार सिंह विधान परिषद सदस्य इंजी. अवनीश सिंह से मुखातिब हुए और बोले, एमएलसी साहब आप से 30 लाख नहीं, बाबू मोहन लाल वर्मा या मदारी पासी स्मृति सभागार लेंगे, इन दोनों महापुरुषों में से उन्हें जो उचित लगे। ऐसा कह सीएसएन प्राचार्य ने अवनीश सिंह के पाले में एक संग दो गेंद डाल दी।

पूर्व महाधिवक्ता ने की, एक उम्र सीमा तक फोन और सोशल मीडिया बैन करने की वकालत

युवा महाकुम्भ की अध्यक्षता कर रहे पूर्व सांसद/महाधिवक्ता राघवेन्द्र सिंह ने मोबाइल फोन और सोशल मीडिया को युवाओं के लिए लाइलाज बीमारी बताया। उन्होंने कुछ नजीरों से बात को फलक दिया। कहा, मेडिकल रिसर्च है, मोबाइल फोन और सोशल मीडिया की लत सिगरेट जैसी है। उन्होंने जर्मनी में 13 वर्ष तक के किशोरों लिए मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के प्रयोग पर प्रतिबंध लगा रखा। ऑस्ट्रेलिया 16 साल तक के किशोरों के लिए मोबाइल फोन और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध का कानून लाने जा रहा है। राघवेंद्र ने कहा, दुनिया में भारत सबसे अधिक डेटा यूज करने वाला देश है, ये स्थिति चिंताजनक है। पूर्व महाधिवक्ता ने मुफ्त डेटा बंद कर महंगा करने की पैरवी की।

अखिलेश यादव अर्थशास्त्र के छात्र नहीं : अरुण

कार्यक्रम के बाद भाजपा राष्ट्रीय महासचिव/सांसद अरुण सिंह पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए। देश की अर्थव्यवस्था को लेकर सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के बयान पर कहा, अखिलेश अर्थशास्त्र के विद्यार्थी नहीं रहे हैं, इसीलिए ये गूढ़ विषय है और अर्थव्यवस्था का हाल जानने को उन्हें दुनिया भर की रेटिंग एजेंसीज की रपट पढ़नी चाहिए। 'कन्नौज के खजांची' के बहाने अखिलेश के एक और बयान पर बोले, वो माफिया और अपराधियों के विषय की विशेषज्ञता रखते हैं खाली।

युवा ही करेंगे नवभारत का निर्माण : अरुण

हरदोई : समारोह को सम्बोधित करते भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह। फोटो : एसएनबी

- भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री ने मां के नाम के तहत रोपा आंवले का पेड़
- गुब्बारा छुड़ाकर किया युवा महाकुम्भ का शुभारंभ

हरदोई (एसएनबी)। शनिवार को शहर के सीएसएन महाविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय युवा महाकुम्भ समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव व राज्य सभा सांसद अरुण सिंह ने किया। मुख्य अतिथि के स्वागत में छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि सांसद अरुण सिंह ने कहा कि नव भारत का निर्माण युवा ही करेंगे। अब भारत दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था है और 2045 तक दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगे। आज भारत सरकार की तमाम स्वदेशी योजनाएं मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया आदि के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बना रही है। वह याचक न होकर सेवा प्रदाता बन रहे हैं। विशिष्ट अतिथि भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय राय ने युवाओं को विकसित भारत बनाने में महती भूमिका निभाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत युवाओं का देश है। आज विश्व के देश ग्रुप 7, जी-20 के देश भारत की ओर देख रहे हैं। कहा कि भारत के युवा विदेशों में भी मान बढ़ा रहे हैं। कालेज के प्राचार्य प्रो. कौशलेंद्र कुमार सिंह ने स्वागत भाषण व अध्यक्षता पूर्व सांसद व महाधिवक्ता राघवेंद्र सिंह ने की। इस अवसर पर कालेज के प्रतिभाशाली बच्चों को स्मृति चिह्न व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने मां के नाम आंवला का पवित्र वृक्ष रोपित कर अंत में आसमान में गुब्बारा उड़ाकर महाकुम्भ का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर भाजपा के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू, एमएलसी इंजी. अवनीश कुमार सिंह, कर्मवीर सिंह चौहान, पारुल दीक्षित, धीरेंद्र प्रताप सिंह सेनानी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, पीके वर्मा, राजाबक्श सिंह, आरआर कालेज के प्रधानाचार्य कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, आर्य कन्या डिग्री कालेज की प्राचार्य सुमन वर्मा, रफी अहमद के प्रधानाचार्य सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बिल्डिंग के रंग रोगन के लिए 30 लाख की घोषणा

हरदोई। मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने कालेज शिक्षा व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिस तरह कालेज की शिक्षा व्यवस्था अच्छी है, ऐसे ही बिल्डिंग को भी और बेहतर बनाया जाए। उन्होंने इसके लिए अपनी निधि से 30 लाख रुपए देने की बात कही। कालेज के प्राचार्य प्रो. कौशलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सवायजपुर विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू ने भी अपनी निधि से कालेज के रंग रोगन के लिए 10 लाख रुपए देने की बात कही।

हरदोई जागरण www.jagran.com

शाहजहांपुर को 36 रनों हरा हरदोई–11 टीम ने किया ट्राफी पर कब्जा

जागरण संवाददाता • हरदोई : सीएसएन महाविद्यालय के मैदान में चल रही बाबू मोहनलाल स्मृति अंडर-19 क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में हरदोई-11 टीम ने शाहजहांपुर टीम को 36 रनों से हराकर ट्राफी पर कब्जा किया।

महाविद्यालय के मैदान पर सोमवार को फाइनल मैच में हरदोई-11 और शाहजहांपुर टीम के बीच खेला गया। शाहजहांपुर के कप्तान आकर्षित ने टास जीत कर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी हरदोई-11 की टीम ने विशाल राज के 54 गेंद में 3 छक्के और 6 चौकों के मदद से बनाए गए 68 रन और वेदांत त्रिवेदी के 29 रन की सहायता से 29.4 ओवर में 165 रन बनाकर आल आउट हो गई। शाहजहांपुर की ओर से रंजीत ने तीन, अभिनव व दीपांशु ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी शाहजहांपुर की टीम आकर्षित के संघर्षपूर्ण 39, जैद के 22 रनों के साथ 26.2 ओवर में 129 रन पर ढेर हो गई। हरदोई-11 की टीम ने 36 रनों से जीत दर्ज की। हरदोई-11 टीम के सत्यम, विशाल व प्रतीक ने दो-दो विकेट, कुलदीप व तन्मय ने एक-एक विकेट लिए। हरदोई-11 टीम के 68 रन बनाकर दो विकेट लेने वाले विशाल राज को मैन आफ द मैच और पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने के लिए मैन आफ द सीरीज चुना गया। सर्व श्रेष्ठ बल्लेबाज शाहजहांपुर के आकर्षित व सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज शाहजहांपुर के देवू अग्निहोत्री रहे। सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर हरदोई-11 के शेखर राणा बने। अंपायर प्रमोद शुक्ला, लोकेश मिश्र रहे। स्कोरर का कार्य मोहम्मद इस्माइल और कमेन्ट्री पंकज तिवारी ने की। फाइनल मैच का शुभारंभ पूर्व महानिदेशक उत्तर प्रदेश पुलिस और डायरेक्टर उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन डा. डीएस चौहान ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। उन्होंने कहा की खेल में कोई जीत हार नहीं होती, अपितु खेल की भावना ही विजेता होती है। प्राचार्य प्रोफेसर केके सिंह ने कहा कि महाविद्यालय संपूर्ण जनपद के छात्र-छात्राओं के शैक्षिक, सांस्कृतिक व शारीरिक विकास के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रभात वर्मा ने आभार व्यक्त किया। अपर पुलिस अधीक्षक निपेंद्र, सीओ सिटी अंकित मिश्रा, पूर्व विधायक वीरेंद्र वर्मा, प्रोफेसर नरेश शुक्ला, अखिलेश बाजपेई आदि मौजूद रहे।

सीएसएन डिग्री कालेज मे आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता की विजेता टीम के कप्तान को ट्राफी देते पूर्व डीजीपी डीएस चौहान • जागरण

महाविद्यालय के 24 मेधावियों ने विद्यालय का बढ़ाया गौरव

जागरण संवाददाता● हरदोई : सीएसएन महाविद्यालय के 24 मेधावी विद्यार्थियों ने नेट परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर स्थान प्राप्त किया। मेधावियों की इस सफलता पर विद्यालय प्रशासन ने बधाई दी।

सीएसएन डिग्री कालेज के 21 नेट और तीन जेआरएफ परीक्षा उत्तीर्ण की

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर केके सिंह ने बताया कि भूगोल में अनुज राठौर, संस्कृत में मानवी व अर्थशास्त्र विषय में गुरमीत सिंह ने जेआरएफ में सफलता प्राप्त की। इसके अलावा हिन्दी साहित्य में रजनी देवी, नेहा त्रिवेदी, अंजली सिंह व अर्पित दीक्षित, राजनीति विज्ञान में श्वेता वर्मा, सौम्या शर्मा, कुलदीप सिंह, अभय प्रताप सिंह, सौरभ यादव, मंजुल मिश्रा, संजय कुमार, भूगोल में पूनम देवी, सचिन वर्मा, शीतल रस्तोगी,विपिन राठौर, अविनाशी लाल, प्रदीप शर्मा,समाज शास्त्र में अंशू पाल,मोहित वर्मा, शिखा देवी, लोक प्रशासन विषय में हरदीप कुमार ने नेट परीक्षा उत्तीर्ण की। मेधावियों को पूर्व पुलिस महानिदेशक डा. डीएस चौहान व महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. केके सिंह ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया । प्रो. पुष्पा रानी गंगवार, प्रो. साधना शुक्ला, डा.जेएस चौहान, डा. दीपक कुमार राय, डा. कुश कुमार, श्रवण कुमार गुप्ता, डा. अखिलेश कुमार, मो. सलीम, डा. गोविंद सिंह, डा. विनयशील, डा. किशोरीलाल ने विद्यार्थियों की सफलता पर बधाई दी।